cmyk

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 मुझे वो आंसू याद रहेंगे जो तुमने कभी नहीं दिखाए : अनुष्का शर्मा | सम्पादकीय | पालतू और जंगली परागणकर्ताओं के..... | इक्सिगो ने किया बड़ा फैसला | 5

वर्ष 11 अंक 347 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, मंगलवार 13 मई 2025 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ स्थगित, तीनों सेनाएं अलर्ट पर : पीएम मोदी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे बाद पीएम मोदी ने सोमवार रात 8 बजे देश को संबोधित किया। अपने 22 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, सीजफायर, आतंकवाद, सिंधु जल समझौते और पीओके पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन आतंकियों ने हमारी मां-बहनों का सिंदूर मिटाया, हमने उन्हें मिटा दिया। हमारे ऑपरेशन में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे।

पाकिस्तान से बात होगी तो सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर

हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ हम सभी का एकजुट रहना, हमारी एकता सबसे बड़ी शक्ति है। निश्चित तौर पर ये युग युद्ध का नहीं है, लेकिन ये युग आतंकवाद का भी नहीं है। टेररिज्म के खिलाफ जीरो टॉलरेंस एक बेहतर दुनिया की गारंटी है।

पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार जिस तरह आतंकवाद को खाद पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टेरर इन्फ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा, इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है। भारत का मत एकदम स्पष्ट है, टेरर और टॉक एकसाथ नहीं हो सकते हैं, टेरर और ट्रेड एकसाथ नहीं चल सकते। पानी और खून भी एकसाथ नहीं बह सकता। विश्व समुदाय से भी कहूंगा हमारी घोषित नीति रही है कि अगर पाकिस्तान से बात होगी तो टेररिज्म पर ही होगी, अगर बात होगी तो पीओके पर ही होगी। देशवासियों आज बुद्ध पूर्णिमा है, भगवान बुद्ध ने हमें शांति का रास्ता दिखाया है। शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर जाता है। मानवता शांति और समृद्धि की तरफ बढ़े, हर भारतीय शांति से जी सके, विकसित भारत के सपने को पूरा कर सके, इसके लिए भारत का शक्तिशाली होना जरूरी है। आवश्यकता पड़ने पर इस शक्ति का इस्तेमाल भी जरूरी है। पिछले कुछ दिनों में भारत ने यही किया है। मैं एक बार फिर भारत की सेना और सशस्त्र बलों को सैल्यूट करता हूं। हम भारतवासी का हौसला, एकजुटता, संकल्प को नमन करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत माता की जय।

आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींच दी है। न्यू नॉर्मल कर दिया है। पहला- आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। अपने तरीके से अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे, हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंकी जड़ें निकलती हैं। दूसरा- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। उसकी आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। तीसरा- हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पाकिस्तान का घिनौना सच देखा है जब मारे गए आतंकियों को विदाई देना पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े। स्टेट स्पॉन्सर आतंकवाद का ये बड़ा सबूत है। हम भारत और नागरिकों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए लगातार निर्णायक कदम उठाते रहेंगे। युद्ध के मैदान पर हमने हर बार पाकिस्तान को धूल चटाई है। ऑपरेशन सिंदूर ने नया आयाम जोड़ा है। हमने न्यू एज वारफेयर में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। इस ऑपरेशन के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता सिद्ध हुई। दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के वारफेयर में मेड इन इंडिया डिफेंस इक्विपमेंट का समय आ चुका है।

पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर बहुत घमंड था पाकिस्तान ने हमारे गुरुद्वारों, घरों, मंदिरों और स्कूलों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया। दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया। भारत के ड्रोंस, मिसाइलों ने सटीकता के साथ हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर बहुत घमंड था। पहले तीन दिनों में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था।

भगवान बुद्ध के आदर्शों का अनुसरण करने वाला एकमात्र देश है भारत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समता मूलक समाज, प्रेम ,करुणा और सत्य की आधारशिला पर ही समाज की तरक्की संभव

मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध को नमन कर अर्पित किये पुष्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन से ज्ञान लेकर हम सारे भारतीय आगे बढ़ रहे हैं और विश्व बंधुत्व को अपनाते हुए प्रेम ,करुणा, सत्य, समता के भाव को आगे बढा रहे हैं। भगवान बुद्ध राज-पाट छोड़कर जब ज्ञान की खोज मे निकले थे और कठिन तप के बाद जो ज्ञान विश्व को दिया, उसका अनुसरण ही हम सबका उदेश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समता मूलक समाज से हम उन्नति, विकास और सबके कल्याण के मार्ग प्रशस्त कर सकते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के अशोक बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भारती बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को भगवान बुद्ध जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मप्र में सांची, बुद्ध धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। उनके लिए सांची आना सौभाग्य की बात है। बुद्ध सर्किट में सांची का प्रमुख स्थान है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय खगोल विज्ञान के अनुसार निर्धारित की गई तिथि, पूर्णिमा अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध और संत रविदास जी के साथ ही अन्य बड़े संत, महात्माओं का जन्म हुआ है। पूर्णिमा पर जब चंद्रमा की 16 कलाएं पूर्ण हो जाती हैं तो एक दिव्य प्रकाश निकलता है। ऐसे महापुरुषों ने पूर्णिमा के दिन जन्म लेकर अपने ज्ञान के प्रकाश से विश्व को रौशन किया है।

विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा ही ऐसी परंपरा है, जो ऐतिहासिक काल से लेकर वर्तमान समय तक अक्षुण्ण है।

सबसे बड़ी बात है कि समाज के लिए आज भी प्रासंगिक है। 5000 साल से भी अधिक पुराने हमारे ज्ञान को आज भी कोई चैलेंज नहीं कर पाया है। भारत विश्व गुरु है, विश्व गुरु रहेगा।

इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, विधायक श्री सतीश मालवीय, सभापति श्रीमति कलावती यादव, जनप्रतिनिधि श्री संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई अलर्ट!

नई दिल्ली। जेल सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर तिहाड़ जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि उच्च जोखिम वाले वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, विशेषकर उन वार्डों पर जहां गैंगस्टर और आतंकवाद के आरोपी रहते हैं। सूत्रों के अनुसार, बढ़ाए गए उपायों के तहत बहुस्तरीय सुरक्षा जांच, अतिरिक्त सीसीटीवी कवरेज और सख्त निगरानी प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं। एक सूत्र ने कहा, ÷हालिया घटनाक्रम के कारण पूर्ण सुरक्षा जांच की आवश्यकता है। सभी संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है तथा गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले कैदियों पर चौबीसों घंटे निगरानी बढ़ा दी गई है।÷ तहव्वुर राणा, छोटा राजन और नीरज बवाना जैसे हाई-प्रोफाइल गैंगस्टर और आतंकवाद के आरोपी भारत के सबसे बड़े जेल परिसरों में से एक तिहाड़ जेल में बंद हैं। जेल के अंदर से अनधिकृत संचार को रोकने के लिए मोबाइल सिग्नल जैमर्स का परीक्षण और उन्नयन किया जा रहा है। सूत्र ने कहा, आश्चर्यजनक जांच भी तेज कर दी गई है।

'संघर्षविराम' से पहले सर्वदलीय बैठक, संसद आहूत की जानी चाहिए थी - सिद्धारमैया

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि केंद्र को पाकिस्तान के साथ सभी सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी और संसद सत्र आहूत करना चाहिए था। सिद्धारमैया ने कहा कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ अभियान का पूरा श्रेय सशस्त्र बलों को जाना चाहिए और किसी को भी इसका राजनीतिक श्रेय नहीं लेना चाहिए। सिद्धारमैया ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''संघर्षविराम की घोषणा कर दी गई और दोनों देश इस पर सहमति पर पहुंच गए हैं। दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) की बातचीत होने वाली है, देखते हैं कि वहां क्या निर्णय होता है।'' उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''मेरी राय में उन्हें (केंद्र सरकार को) संघर्षविराम से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी। साथ ही संसद भी आहूत करनी चाहिए थी, क्योंकि यह बहुत गंभीर मामला है।'' कई लोगों द्वारा 1971 के बांग्लादेश मुक्तिसंग्राम के दौरान दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उनके नेतृत्व और वर्तमान भारत-पाकिस्तान स्थिति के बीच तुलना करने के उद्देश्य से उदाहरण दिए जाने पर उन्होंने कहा, ''1971 के बाद से कई वर्ष, लगभग 54 वर्ष बीत चुके हैं, मैं अब इसके बारे में बात नहीं करना चाहता।

राज्यों को विशेष अपराधों की सुनवाई के लिए नामित अदालतों की जरूरत - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि विशेष कानूनों के तहत मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए अदालतें स्थापित करना केंद्र और राज्यों के लिए जरूरी है। न्यायालय ने दो सप्ताह में उनसे अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के एक नक्सल समर्थक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। राज्य में हुए एक विस्फोट में त्वरित प्रतिक्रिया दल के 15 पुलिसकर्मियों की मौत के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पीठ ने 9 मई के अपने आदेश में कहा, भारत के अतिरिक्त महाधिवक्ता ने प्रतिवादी 2 - राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा दायर हलफनामे का हवाला दिया है। हालांकि, हमारा मानना है कि जब विशेष कानूनों के तहत मुकदमे चलने हैं, तो केंद्र या राज्यों के लिए यह जरूरी है कि वे शीघ्र सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे के साथ विशेष अदालतें स्थापित करें, ताकि कानून के विधायी उद्देश्य को हासिल किया जा सके।÷ इसलिए, एएसजी राजकुमार भास्कर ठाकरे को मामले पर निर्देश प्राप्त करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया तथा पीठ ने सुनवाई 23 मई के लिए निर्धारित की। शीर्ष अदालत ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से पूछा कि वे कानून लागू होने के बाद विशेष कानूनों के न्यायिक प्रभाव का आकलन क्यों नहीं कर सकते और कहा कि मामलों के शीघ्र निपटान के लिए पर्याप्त न्यायिक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने दिल्ली एम्स में भर्ती पूर्व मंत्री गिर्राज डंडौतिया का हालचाल जाना, परिजनों को मदद का भरोसा दिया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) पहुंचकर मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री गिर्राज डंडौतिया से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

बीते 07 मई की शाम को मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के कैलारस क्षेत्र अंतर्गत तोरका गांव के पास एक सड़क दुर्घटना में डंडौतिया गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शादी समारोह से लौटते समय उनकी गाड़ी को एक तेज़ रफ्तार बस ने नेशनल हाईवे पर टक्कर मार दी थी, जिससे उन्हें सिर और शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। इस हादसे में उनके निजी सहायक को भी गंभीर चोटें आई हैं।

केंद्रीय मंत्री ने परिवार से मिलकर ढांढस बँधाया

सिंधिया ने एम्स में गिर्राज डंडौतिया का हालचाल जाना और उनका इलाज कर रही विशेष टीम से उनके स्वास्थ्य की पूरी जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने परिवार के सदस्यों से बात कर हर संभव सहयोग की बात कही। एम्स में उनका इलाज विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जारी है और स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने शोक संवेदना व्यक्त की

ग्वालियर। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर मुरार स्थित डा. निशांत शर्मा के निवास पर पहुंचे और उनके पिताश्री के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। डा. शर्मा के पिताजी का विगत दिवस निधन हो गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में विभाग के प्रचार प्रसार प्रमुख की जिम्मेदारी सम्हाल रहे डा. शर्मा के निवास पर विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर के साथ पूर्व जिला अध्यक्ष देवेश शर्मा व भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक जादौन बाबा भी पहुंचे।

नर्सिंग है साक्षात ईश्वर की सेवा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत नर्सों के त्याग और समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने नर्सों को बधाई देते हुए कहा कि आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक सुश्री फ्लोरेंस नाइटिंगेल के अगाध समर्पण से प्रेरित नर्सिंग कार्य साक्षात ईश्वर की सेवा है। पीड़ितों की सेवा के लिए सभी नर्सों की आत्मीयता सदैव वंदनीय है। उल्लेखनीय है कि इटली में 12 मई 1820 को जन्मी नाइटिंगेल के जन्म दिवस को दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

आर.एन.एस

मुम्बई। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कोहली ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे। कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं। बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी। दिसंबर/जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था।

कोई वस्तु परम मूल्यवान कही जा सकती है, तो वह है ज्ञानः स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - 'बुद्ध' यह शब्द न केवल बोध का द्योतक है, अपितु चेतना की उस परम स्थिति का बिम्ब है, जहाँ आत्मा अज्ञान के आवरणों को चीरकर ज्ञान की आलोक-धारा से स्वयं को प्रकाशित कर लेती है। इस चराचर जगत में यदि कोई वस्तु परम मूल्यवान कही जा सकती है, तो वह है–ज्ञान। सकल पुरुषार्थ वस्तुतः अज्ञानजन्य विकारों से मुक्त होकर ज्ञान-प्राप्ति की दिशा में ही अग्रसर होते हैं। जो पुरुष आत्मस्वरूप का साक्षात्कार कर, अपने अंतःकरण को विशुद्ध ज्ञान से अभिसिक्त कर चुका होता है, वही वस्तुतः बुद्ध है–जाग्रत आत्मा, प्रकाशमान चेतना, करुणा की मूर्तिमान प्रतिमा।

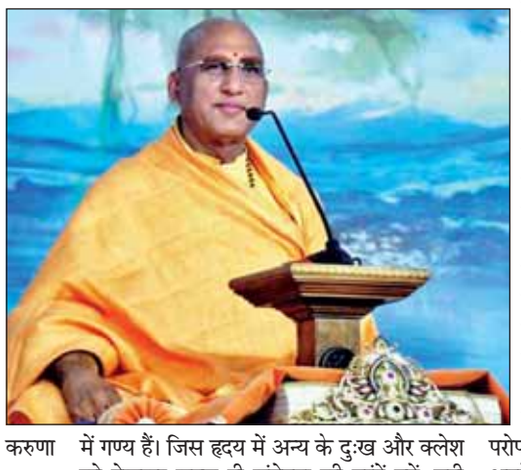

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - भगवान बुद्ध न केवल करुणा के साक्षात् अवतार हैं, अपितु सनातन धर्म-संस्कृति की अक्षुण्ण धारा से अभिन्न रूप से सम्बद्ध भी हैं। वे स्वयं श्रीहरि के दशावतारों में गण्य हैं। जिस हृदय में अन्य के दुःख और क्लेश को देखकर सहज ही संवेदना की तरंगें उठें, वही दीनबन्धु, वही ईशतुल्य होता है। ऐसी करुणा ही सच्चे बोध की प्रथम सीढ़ी है। स्वामी जी ने कहा कि - बुद्ध पूर्णिमा का यह पावन दिवस हमें आह्वान करता है कि हम अपने अन्तःकरण को करुणा, सौजन्य और सहानुभूति से सिञ्चित करें। उपेक्षित, पीड़ित और शोषित जनों के प्रति अपने हृदय में प्रेम और संवेदना का नवप्रस्फुटन करें। यही बुद्ध की सच्ची वन्दना है। आध्यात्मिक साधना के पथ पर सांसारिक यश-अपयश, लाभ-हानि, जय-पराजय आदि द्वंद्वमय वृत्तियाँ केवल छाया-समान हैं। इनसे प्रभावित हुए बिना, दीर्घकाल तक अविचल श्रद्धा और अपरिसीम धैर्य से अपने लक्ष्य की सिद्धि की ओर प्रयाण करना ही साधक की महती साधना है।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - अतः इस शुभ अवसर पर, आइये! हम आत्म-निरीक्षण करें, आत्मावलोकन करें। क्या हमारे भीतर बोध का आलोक है? क्या हमारे भावों में करुणा है, विचारों में समत्व है, और कर्मों में परोपकार की गन्ध है ? यदि नहीं, तो यही क्षण है, अपने भीतर बुद्धत्व की प्रथम आभा को आमंत्रित करने का–शान्त, गंभीर और सन्नद्ध होकर प्रबुद्ध चेतना की ओर एक नवयात्रा आरम्भ करने का।

cmyk

मेले के एक्सपो फैसिलिटेशन सेन्टर को अत्याधुनिक बनाया जायेः कैट

सांसद भारत सिंह कुशवाह से मिला कैट का प्रतिनिधिमंडल

विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश, विकसित ग्वालियर की थीम पर प्रतिमाह होगा संवाद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सांसद भारत सिंह कुशवाह से उनके निवास गांधी रोड पर मिला। प्रतिनिधिमंडल में सैकड़ों व्यापारी एवं उद्योगपति शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन ने उन्हें ज्ञापन भेंट किया, जिसमें 3 मांगें प्रमुख रूप से रखी गई थीं। पहली मांग सन् 2001-02 में मेला परिसर में बनाये गये मध्यप्रदेश एक्सपो फैसिलिटेशन सेन्टर को अत्याधुनिक रूप से विकसित किया जाये, क्योंकि उस समय व्यापारियों ने आर्थिक सहयोग एकत्रित कर प्रदेश का सबसे बड़ा फैसिलिटेशन सेन्टर ग्वालियर में बनाया था और प्रगति मैदान में लगने वाली औद्योगक एवं व्यापारिक प्रदर्शनियां, मेले इसमें आयोजित किये जाने का प्रस्ताव था। किन्तु 2 दशकों के बाद भी इसका उपयोग शुरू नहीं हो पाया। अतः इसे अत्याधुनिक बनाकर ग्वालियर की वर्तमान परिस्थिति के अनुसार अब विकसित किया जाना चाहिए। दूसरी मांग प्रमुखता से रखते हुए कैट ने कहा कि भारत मंडपम का विचार उचित है और मध्यप्रदेश में इसे ग्वालियर में बनाया जाना चाहिए। किन्तु जब भी भारत सरकार का वाणिज्य मंत्रालय स्वीकृति दे तो हमें साडा क्षेत्र को प्राथमिकता देना चाहिए। ताकि ग्वालियर के उस क्षेत्र का भी विकास हो सके और साडा आबाद हो।

कैट के जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता, महामंत्री विवेक जैन, संभागीय अध्यक्ष दीपक पमनानी, संभागीय महामंत्री मुकेश जैन, जिला सहमहामंत्री मुकेश अग्रवाल भिण्ड एवं आकाश जैन, प्रभात चौपड़ा आदि ने सांसद भारत सिंह कुशवाह से कहा कि आवश्यकता है कि वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री जी विकसित भारत बनाना चाहते हैं। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विकसित मध्यप्रदेश बनाना चाहते हैं। हम सबको व्यापारिक एवं औद्योगिक वर्ग से संवाद करना चाहिए। वर्ष 2047 तक विकसित ग्वालियर बने इसके लिए कैट प्रतिमाह ''सांसद के साथ संवाद'' कार्यक्रम का आयोजन करेगा, यह कैट की तीसरी प्रमुख मांग थी। इसके लिए सांसद भारत सिंह कुशवाह ने सहमति प्रदान की और 1 जून को ''सांसद से संवाद'' कार्यक्रम आयोजित होगा। कैट के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा मन ग्वालियर को विकसित शहरों की श्रेणी में देखने का है। आज इन्दौर, उज्जैन कोरिडोर आगे चलकर बहुत ही आगे ब?गा, तो मेरा भी मन ग्वालियर को विकिसत ग्वालियर बनाने का है। श्री कुशवाह ने कहा कि मेरे मन में भारत मंडपम को देखने के बाद यह आया कि क्यों ना एक ऐसा मंडप मध्यप्रदेश में बनना चाहिए। मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की और कई पक्षों के आंकड़े इकट्ठे किये और उस सबके बाद वाणिज्य मंत्री को प्रस्ताव दिया कि इसे ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में बनाये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान करें। इसके आने से उद्योग बढ़ेंगे, पर्यटन बढ़ेगा और ग्वालियर का चहुंमुखी विकास होगा। चूंकि मेले का 100 एकड़ से अधिक का जो स्थान है उसका वर्षभर उपयोग हो इसके लिए हमें कोई ना कोई अच्छी योजना मेले में लेकर आना पड़ेगी। उन्होंने कैट के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि यह कहां बनेगा, इसका निर्णय वरिष्ठ नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री करेंगे। मैं तो व्यापारियों और उद्योगपतियों के साथ मिलकर ग्वालियर को विकसित ग्वालियर बनाने की दिशा में काम करूंगा। आज के प्रतिनिधिमंडल में कैट प्रवक्ता नीरज चौरसिया, अंशुल गुप्ता, मयूर गर्ग, अमित सेठी, राघवेन्द्र सिंघल, अशोक अग्रवाल, अरुण बंसल, मनोज चौरसिया, हरिओम चौरसिया, अनिल शाह, अजय चौपड़ा, प्रतीक अग्रवाल, डॉ. सौरभ खंडेलवाल, भूपेन्द्र तायल, सीए निधि अग्रवाल, दिनेश बंसल, सचिन राजपूत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर डॉ. राकेश मिश्र के जन्मदिन पर कृपालपुर में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

-डॉ. राकेश मिश्र जी की दूर दृष्टि सोच का परिणाम है चलता फिरता मुफ्त अस्पतालः ब्रिगेडियर देवेंद्र सिंह

- पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा किया जा रहा है मरीजों की निःस्वार्थ सेवाः विपिन मिश्रा

- 128 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण 98 मरीजों को दी गई मुफ्त में दवाइयां

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सतना/छतरपुर/भीमकुंड। डॉ. राकेश मिश्र पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कृपालपुर में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा अमर शहीद लाल पद्मधर सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित किया गया। कृपालपुर क्षेत्र के मटेहना, बढ़ेरा, माद, सर्वहना, सकरिया, माधवगढ़, सरिया टोला, कटिया, वैरिहा, सिजाहटा, बेलहटा आदि गांव के निवास करने वाले प्रबुद्ध जन और नागरिकों को नगर को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से कपड़े का थैला व आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरि का चित्र सभी मरीजों को सेवा न्यास द्वारा भेंट किया गया।

डॉ. राकेश मिश्र जी की दूर दृष्टि सोच है चलता फिरता मुफ्त अस्पतालः ब्रिगेडियर डॉ. देवेंद्र सिंह जी

ब्रिगेडियर डॉ.देवेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. राकेश मिश्र जी की दूर दृष्टि सोच का परिणाम है चलता फिरता मुफ्त अस्पताल। जो की बहुत ही सराहनीय कार्य है जन-जन की सेवा का संकल्प डॉ. राकेश मिश्र जी ने लिया है। हम सब डॉ. राकेश मिश्र जी के साथ हैं, हमारी जहां भी आवश्यकता होगी हम उपलब्ध रहेंगे।

पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा हो रही है मरीजों की निःस्वार्थ सेवाः विपिन मिश्रा

वरिष्ठ समाजसेवी विपिन मिश्रा ने कहा कि पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र जी द्वारा चलता-फिरता मुफ्त अस्पताल योजना निःस्वार्थ भाव के साथ मरीजों की सेवा की जा रही है। आज सैकड़ों की संख्या में हमारे क्षेत्र के मरीजों की 23 प्रकार की जांचों के उपरांत निःशुल्क दवाइयां दी गई है। आप सभी से आग्रह है कि अपने इष्ट मित्रों,परिवार जनों के साथ शिविर का लाभ उठाएं, यह निरंतर चल रही है।

128 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण 98 मरीजों को दी गई मुफ्त में दवाइयां

सेवा न्यास के मीडिया प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू ने बताया है कि आज के स्वास्थ्य शिविर में 128 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। 98 मरीजों को दी गई मुफ्त में दवाइयां दी गई।

इनकी रही उपस्थित

ब्रिगेडियर डॉ. देवेंद्र सिंह जी, अतुल सिंह, नारायण प्रसाद तिवारी, विपिन मिश्रा, पूर्व पार्षद शैलेंद्र दहिया, राजेश तिवारी मतेहना, बाबूपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष अग्निवेश शुक्ला, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती वंदना अभिमन्यु बागरी, श्रीमती रश्मि सैनी, श्रीमती शीलम सैनी, श्रीमती कीर्ति रतवानी, अजय दुबे, दीपू केवट, बिहारी केवट, शारदा प्रसाद दुबे, रघुराई प्रजापति, सोनेलाल प्रजापति, रामप्रवेश केवट, सुखलाल कुशवाहा, रिंकू गर्ग, मुन्ना सेन एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध जन समाजसेवी उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

बुंदेलखंड की रसोई से निकला हुनर बना देश की पहचान; ज़ाहिदा परवीन के सिर सजा विजेता का ताज

झाँसी। बुंदेलखंड की गलियों से उठती देसी मसालों की सुगँध एक बार फिर देशभर में अपनी पहचान बना चुकी है और इस पहचान को नई उड़ान दी ''बुंदेली शेफ सीज़न 2'' ने। क्षेत्र के जाने-माने डिजिटल मीडिया चैनल, बुंदेलखंड 24×7 द्वारा आयोजित पाक कला की इस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 11 मई, रविवार को बुंदेलों के शहर झाँसी में हुआ, जहाँ सिर्फ व्यंजन ही नहीं बने, बल्कि इनके माध्यम से प्रतिभागी बुंदेलखंड की परंपरा को बखूबी सहेजती भी नज़र आईं। बुंदेलखंड के स्वाद को थाली में परोसकर, अपनी सादगी और आत्मविश्वास से जजेस का दिल जीतने वाली ज़ाहिदा परवीन बुंदेली शेफ सीज़न 2 की विजेता बनीं। वहीं, रश्मि ठाकुर पहली रनर अप रहीं और पूनम रायकवार दूसरी रनर-अप रहीं। तीनों विजेताओं को ट्रॉफी, चाँदी की पायल और कई आकर्षक उपहारों से सम्मानित किया गया। बाकी फाइनलिस्ट्स को भी सर्टिफिकेट और उपहार दिए गए। जज के रूप में शेफ संजय शर्मा के अतिरिक्त बुंदेली शेफ सीज़न 1 की विनर शमिता सिंह और शिवानी कमरिया भी मौजूद रहीं।

दिग्गज फिल्म स्टार सुष्मिता मुखर्जी ने उन्हें ''आलू के पराठे'' और ''गुलाब जामुन'' बनाने के लिए कहा। चुनौती थी 2 घंटे में स्वाद, सजावट और प्रस्तुति, सब कुछ ऐसा हो जो जजेस का दिल जीत ले। जी-जान लगाकर प्रतियोगियों ने न सिर्फ लाजवाब व्यंजन बनाए, बल्कि अपनी टेबल की सजावट से भी माहौल को खास बना दिया। कुल मिलाकर, फैसले की कसौटी सिर्फ ज़ायका नहीं था। जजेस ने स्वाद, प्लेटिंग, टेबल डेकोरेशन और पहनावे के आधार पर निर्णय लिया।

– बुंदेली शेफ सीज़न 2 का ग्रैंड फिनाले झाँसी में सम्पन्न
– महिलाओं ने दिखाया स्वाद, सलीके और संकल्प का संगम

88 प्रतिभागियों से शुरू हुई इस अनोखी यात्रा का समापन तब हुआ, जब 5 फाइनलिस्ट्स ने आखिरी राउंड में अपनी प्रतिभा का ज़ायका सबके सामने परोसा। इन प्रतिभागियों में शामिल थीं झाँसी की ज़हीदा परवीन, पूनम रायकवार और साक्षी श्रीवास्तव, ललितपुर की रुचि जैन और सागर की रश्मि ठाकुर। सभी ने यह साबित कर दिया कि किचन अब सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि पहचान भी है।

पारम्परिक परिधानों में फिनाले में पहुँची इन पाँचों प्रतिभागियों को मौके पर ही चुनौती मिली, जब बुंदेलखंड 24×7 द्वारा आयोजित ''बुंदेली शेफ सीन 2'' की इस अद्भुत यात्रा को सफल बनाने में कई स्पॉन्सर्स की अहम् भूमिका रही। रचनात्मक सहयोग में रुद्राणी कला ग्राम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का पीआर पार्टनर, पीआर 24×7 रहा, वहीं रसा एरोमा और माय कोकोनट्ज़ ने गिफ्ट पार्टनर के रूप में प्रतियोगियों को प्रोत्साहित करने का काम किया। इस पूरे आयोजन की डिजिटल उपस्थिति को विस्तार देने का कार्य ओओएच बाज़ार ने संभाला, जिसने इस सांस्कृतिक पाक यात्रा को और भी प्रभावशाली बना दिया।

बुंदेलखंड 24|7 के बारे में

बुंदेलखंड 24×7 (पूर्व में बुंदेलखंड ट्रूरूपल के नाम से प्रचलित) बुंदेलखंड क्षेत्र का तेजी से उभरता हुआ डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म है, जो बुंदेलखंड पृथक राज्य की माँग को बुलंद करते हुए, क्षेत्र की मूलभूत और बुनियादी समस्याओं को शासनिक-प्रशासनिक महकमें तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा है। क्षेत्रीय जन संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनते हुए, बुंदेलखंड 24×7 बुंदेली लोक संस्कृति व कला के संरक्षण के प्रति भी समर्पित भाव से कार्य कर रहा है, तथा स्थानीय कलाकारों को बुंदेली बावरा, बुंदेली शेफ इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए सशक्त करने की दिशा में भी विशेष रूप से कार्यरत है। चैनल चुनावी प्रक्रियाओं में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनता और राजनेता के बीच एक ब्रिज की तरह कार्य कर रहा है।

तपती धूप में यात्रियों को शीतल जल पिलाना पुण्य कार्यः मित्तल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिंड। भारत स्काउट गाइड जिला संघ भिंड द्वारा रेलवे स्टेशन भिंड पर जल सेवा शिविर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला स्काउट कमिश्नर आर.डी. मित्तल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश भदोरिया द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष अवधेश शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी भिंड उमेश भदोरिया, भारत विकास परिषद शाखा भिंड के सचिव राजमणि शर्मा, कमलेश सेथिया, चौधरी रामबाबू शर्मा आदि अतिथि मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आर.डी. मित्तल ने कहा कि इस तपती धूप में स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं द्वारा रेलवे स्टेशन भिंड पर प्रत्येक बोगी टू बोगी एवं जनरल डिब्बे पर जो यात्री रेलवे स्टेशन पर पानी पीने के लिए नहीं उतर सकता उन यात्रियों को स्काउट गाइड के छात्र-छात्राएं पानी सीट पर ही उपलब्ध करा रहे हैं, इससे बड़ा सेवा भाव संसार में कोई नहीं है प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राकेश भदोरिया ने कहा कि आज जो छात्र-छात्राएं घरों में बैठे हैं ऐसे स्काउट गाइड जो गर्मियों के महीना में स्टेशन पर सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं वास्तव में वह स्काउट गाइड के सभी छात्र-छात्राएं के बधाई के पात्र हैं। उपाध्यक्ष अवधेश शर्मा ने इस मौके पर बोलते हुए कहा कि स्काउट गाइड के छात्र-छात्राएं समाज सेवा के क्षेत्र में सबसे आगे हैं। भारत विकास परिषद शाखा भिंड के सचिव राजमणि शर्मा ने कहा कि स्काउट गाइड की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। स्काउट गाइड के छात्र-छात्राएं भीषण गर्मी में प्रतिवर्ष की तरह-इस वर्ष भी स्टेशन पर जल सेवा का कार्य कर रहे हैं यह सराहनीय है। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रेखा भदोरिया एवं सभी अतिथियों का आभार जिला सचिव प्रदीप सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर अनिल गुप्ता, अरविंद भदौरिया, श्रीमती सीमा शाक्य, गिर्राज बघेल, प्रिंस भाटिया, कु. मानसी पचौरी सहित 35 स्काउट गाइड रोवर रेंजर यूनिट लीडर्स जिला संघ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

अदाणी ग्रुप का ग्रीन मिशन - माइनिंग ट्रांसपोर्ट में शामिल किया भारत का पहला हाइड्रोजन से चलने वाला ट्रक

रायपुर/अहमदाबाद। अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी, अदाणी एंटरप्राइज़ेज़ ने भारत का पहला हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रक जारी किया है, जो लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्वच्छ और ग्रीन ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आने वाले समय में हाइड्रोजन से चलने वाले ये ट्रक, कंपनी के लॉजिस्टिक्स संबंधी ऑपरेशन्स में इस्तेमाल हो रहे डीज़ल वाहनों की जगह लेने के लिए तैयार हैं।

अदाणी, एक भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा तकनीकी कंपनी और एक प्रमुख ऑटो निर्माता कंपनी के साथ मिलकर, माल परिवहन के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल बैटरी से चलने वाले ट्रक विकसित कर रहा है। प्रत्येक ट्रक स्मार्ट तकनीक और तीन हाइड्रोजन टैंक से लैस होगा, जिसमें 200 किलोमीटर की दूरी तक 40 टन तक का माल ले जाने की क्षमता होगी।

शनिवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में इस पहले ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रक अब गारे पेलमा ढुढ्ढु कोल ब्लॉक से राज्य के पॉवर प्लांट तक कोयले के परिवहन के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ में भारत के पहले हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रक का शुभारंभ राज्य की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस तरह की पहल हमारे कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम करेंगी और उद्योग जगत के लिए एक नई मिसाल कायम करेंगी। छत्तीसगढ़, देश की बिजली जरूरतों को पूरा करने में तो अग्रणी है ही, अब यह सतत विकास को बढ़ावा देने की मिसाल भी कायम कर रहा है।

राज्य सरकार के स्वामित्व वाली छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड ने प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से गारे पेलमा ढुढ्ढु कोल ब्लॉक के लिए अदाणी एंटरप्राइज़ेज़ को माइन डेवलपर और ऑपरेटर नियुक्त किया है।

इस अवसर पर अदाणी एंटरप्राइज़ेज़ के नैचरल रिसोर्सेस के सीईओ और डायरेक्टर, डॉ. विनय प्रकाश ने कहा, हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों की यह पहल अदाणी ग्रुप की डिकार्बनाइज़ेशन और जिम्मेदार खनन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। हम ऐसी मॉडल माइन विकसित कर रहे हैं, जिनका पर्यावरण पर असर बेहद कम हो। इसके लिए हम ऑटोनॉमस डोज़र पुश तकनीक, सौर ऊर्जा, डिजिटल तकनीकों और पेड़ ट्रांसप्लांटर जैसे आधुनिक उपायों को अपना रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि हर व्यक्ति तक सस्ती और भरोसेमंद बिजली की पहुँच हो और साथ ही खनन क्षेत्र में सतत विकास के नए मानक स्थापित किए जाएं।

यह परियोजना अदाणी एंटरप्राइज़ेज़ की दो इकाइयों- अदाणी नैचरल रिसोर्सेस (एएनआर) और अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (एएनआईएल) का संयुक्त प्रयास है। इस साझेदारी में एएनआर, हाइड्रोजन सेल्स की आपूर्ति एएनआईएल से करेगा, जो ग्रीन हाइड्रोजन, विंड टर्बाइन, सोलर मॉड्यूल और बैटरी निर्माण के क्षेत्र में भी सक्रिय है।

हाइड्रोजन में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है और सबसे विशेष बात, यह किसी भी प्रकार का हानिकारक उत्सर्जन नहीं करता है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल से चलने वाले वाहन डीज़ल ट्रकों जितनी दूरी और लोड उठाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन धुएँ के बजाए ये सिर्फ पानी की भाँप और गर्म हवा उत्सर्जित करते हैं और आवाज़ भी बहुत कम करते हैं। चूँकि, माइनिंग क्षेत्र में अधिकांश मशीनें मुख्य रूप से डीज़ल से ही चलती हैं, ऐसे में स्वच्छ ईंधनों को अपनाने से प्रदूषण और शोर को कम करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही, यह कदम भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने और कार्बन फुटप्रिंट कम करने में भी सहायक होगा। खास बात यह है कि अदाणी नैचरल रिसोर्सेस एशिया की पहली कंपनी है, जिसने ''डोज़र पुश सेमी-ऑटोनॉमस तकनीक'' को अपनाया है, जिससे सुरक्षा और स्थिरता, दोनों को बढ़ावा मिल रहा है।

मीडिया संपर्क- Roy.Paul@adani.com

मप्र शिक्षक संघ का तीन दिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अमरकंटक। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रांतीय अभ्यास वर्ग 10 से 12 मई अमरकंटक में सार्थक, विचारोत्तेजक और प्रेरणास्पद वातावरण में संपन्न हुआ। संभागीय अध्यक्ष डॉ नरेश सिंह सिकरवार की अगुआई में चंबल अंचल के मुरैना, भिंड व श्योपुर जिले से अनेक पदाधिकारी शामिल हुए। विभिन्न सत्रों में अतिथियों द्वारा सार्थक एवं सारगर्भित पाथेय हुआ। इस अभ्यास वर्ग में विशेष रूप से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री वरिष्ठ प्रचारक महेंद्र कपूर, राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्री स्कूल शिक्षा मोहन पुरोहित, संगठन के प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौड़, प्रांतीय महामंत्री राकेश गुप्ता, संगठन मंत्री हिम्मत सिंह जैन, सह संगठन मंत्री हीरालाल तिरोले, राजीव शर्मा, राष्ट्रीय सह महामंत्री संजय राउत सहित प्रदेशभर के समर्पित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर ने अपने उद्बोधन में श्रेष्ठ कार्यकर्ता निर्माण को 'मैं' से 'हम' की ओर यात्रा बताया। श्री कपूर ने कहा कि संगठन केवल पदों का ढांचा नहीं, यह शिक्षक के अंतर्मन में जाग्रत होने वाली वह चेतना है, जो उसे समाज, राष्ट्र और शिक्षा के प्रति उत्तरदायी बनाती है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक संगठन का सक्रिय अंग बनता है, तब वह अकेला नहीं रहता वह एक विचारधारा, एक संकल्प और एक राष्ट्रीय लक्ष्य का संवाहक बन जाता है। एक संगठित शिक्षक समाज का सजग प्रहरी होता है। वह न केवल ज्ञान का विस्तार करता है, बल्कि मूल्यों का सृजन करता है। वह सामाजिक विषमता में समरसता भरता है। राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाला पुरुषार्थी है। उसे अब केवल कक्षा का शिक्षक नहीं, समाज का निर्माता और राष्ट्र का संरक्षक बनना है। चंबल संभाग से डॉ. नरेश सिंह सिकरवार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सक्रिय भागीदारी की। डॉ सिकरवार ने कहा कि यह आयोजन शिक्षकों को केवल संगठन के अंग के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के वाहक के रूप में विकसित करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

यह तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग एक वैचारिक तपशाला सिद्ध हुआ, जिसने प्रतिभागियों को केवल संगठनात्मक दृष्टिकोण ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक दायित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी बोध कराया। यह आयोजन आने वाले समय में शिक्षक समुदाय के लिए एक प्रेरणा-स्त्रोत बनकर उन्हें विद्यालय की चारदीवारी से बाहर निकलकर समाज और राष्ट्र की मुख्यधारा में नेतृत्व देने की भावना से ओतप्रोत करेगा।

इस दौरान कोषाध्यक्ष विनोद पुनी, आयाम प्रमुख लछीराम इंगले, रमेश चंद्र पाटीदार, नंदकिशोर शुक्ला, अरुण मिश्र, ममता राठौड़, मनोज गुप्ता, कर्ण सिंह परिहार, रामबरन सिकरवार, पंकज शर्मा सहित 55 जिलों के संभागीय एवं जिला पदाधिकारी शामिल रहे।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा ने कहा- जनगणना में कलचुरि अवश्य दर्ज करायें

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

प्रयागराज। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे ने कहा है कि वर्ष 1931 के बाद जाति आधारित जनगणना हो रही है, जिसमें जाति के कॉलम में वर्ग, उपवर्ग से पहले कलचुरि जाति नाम जोड़ने की अपील है, क्योंकि कलचुरि वंश का आरम्भ 5000-7000 पूर्व भगवान सहस्त्रार्जुन जी से होता है। यही हमारी प्राचीनतम्, मूल जाति है, यही मूल जाति 550 ईस्वीं से महाराजा कृष्णराज के शासन के कारण ''कलचुरि-राजवंश'' कहलायी। हमारी मूल जाति कालान्तर में 1000 वर्गों, उपवर्गों में विभाजित हो गयी, अब ''जातीय जनगणना'' के माध्यम से समाज के एकीकरण व सशक्तिकरण का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है व सम्पूर्ण भारत में ''कलचुरि'' जाति नाम अधिकांश वर्गों/उपवर्गों द्वारा स्वीकार्य है। कृपया ''कलचुरि''वर्ग, उपवर्गों के पहले अवश्य लिखें, उदाहरणतः-

(1) कलचुरि कलार/ कलाल/ कलवार (2) कलचुरि भण्डारी (3) कलचुरि इडिगा (4) कलचुरि व्याहुत (5) कलचुरि गुप्ता (6) कलचुरि राय (7) कलचुरि अहलूवालियर (8) कलचुरि नशीने/ पसीने (9) कलचुरि मेवड़ा (10) कलचुरि डडसेना (11) कलचुरि नाडार (12) कलचुरि एजावा (13) कलचुरि गौड (14) कलचुरि सोमवंशी (15) कलचुरि जायसवाल/ चौकसे/ मालवी/ परेता (16) कलचुरि करणवाल (17) कलचुरि मराठा (18) कलचुरि तिया आदि।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि आप जाति के कॉलम में अपने वर्ग/उपवर्ग (जो भी हो) के पूर्व ''कलचुरि'' जाति-नाम अवश्य जोड़ें, जिससे हम भारतवर्ष में अनुमानित 12-13 करोड़ जनसंख्या की शक्ति का प्रदर्शन कर, यह सिद्ध कर सकें कि ''एक कलचुरि सबके लिए, सब कलचुरि एक के लिए'' है।

घूम रहा था बीएसएफ की वर्दी पहनकर, पुलिस ने पकड़ा

ग्वालियर। पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव को देखते हुए सुरक्षा के लिए पुलिस कप्तान के एक्शन का रिजल्ट आने लगा है और पुलिस अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद नजर आ रही है। बीती रात गश्त के दौरान बिलौआ थाना पुलिस ने एक संदिग्ध को पकड़ा है, जो बीएसएफकी वर्दी पहनकर घूम रहा था। पुलिस ने पकड़े गए युवक को निगरानी में लेकर थाने पहुंचा दिया है। अब पुलिस उससे पूछताछ करने में जुट गई है कि उसका ग्वालियर आने का क्या कारण है और वह बीएसएफ की वर्दी क्यों पहने हुए था, जिससे आगे की कार्रवाई की जा सकें। वहीं पकड़े गए युवक का कहना है कि वह तो लोगों पर धाक जमाने के लिए वर्दी पहनता था।

बिलौआ थाना प्रभारी इला टण्डन ने बताया कि पुलिस कप्तान के निर्देश पर बीएसएफहैड क्वॉर्टर के आसपास विशेष चेकिंग की जा रही है और लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। बीती रात पेट्रोलिंग की जिम्मेदारी पुलिस टीम को दी गई थी। रात करीब 11 बजे पुलिस जब मकोड़ा के पास पहुंची तो एक युवक बीएसएफ की

वर्दी में नजर आया। पहले तो पुलिस टीम उसे बीएसएफजवान समझ कर आगे चली गई, फिर शंका के चलते वापस आई उससे पूछताछ की तो पहले वह खुद को बीएसएफ जवान बता रहा था। जब उससे उसका पहचान पत्र मांगा तो वह थोड़ा घबराया, फिर अपना आईडी घर पर छूटना बताया। जब पुलिस ने उससे व्हाट्सएप पर मांगने को कहा तो वह घबरा गया और फिर बताया कि उसका भाई बीएसएफ में है। जब पुलिस ने उसके बैग की जांच की तो पता चला कि बैग पर राहुल सिंह लिखा था और रैंक एचसी यूनिट एसटीसी लिखा हुआ था। शंका होने पर उसे थाने लाकर पूछताछ की तो पता चला कि पकड़ा गया युवक मैनपुरी यूपी का रहने वाला राहुल पुत्र मलखान सिंह जाटव उम्र तीस साल है। युवक का बीएसएफ कर्मी नहीं होने और वर्दी पहनकर घूमने पर बिलौआ थाना पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस पूछताछ कर पता लगा रही है कि वह किस वारदात के मंसूबे से बीएसएफ की वर्दी पहनकर आया था। क्योंकि वह यूपी से ग्वालियर तक बीएसएफ की वर्दी पहनकर आया और बीएसएफ मुख्यालय तक पहुंचा है तो उसके पीछे कोई ना कोई कारण हो सकता है। इस मामले में एसएसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि एक युवक को बीएसएफ की वर्दी में बिलौआ थाना पुलिस ने पकड़ा है। पकड़ा गया युवक मैनपुरी यूपी का रहने वाला है। पकड़े गए युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ की तो पता चला कि उसका बड़ा भाई बीएसएफमें है, लेकिन जब पुलिस ने भाई का नाम पूछा तो वह नहीं बता सका। पुलिस को जांच में पता चला कि उसका कोई भाई बीएसएफ में नहीं है। राहुल बीएसएफ की भर्ती में फेल हो गया था, लेकिन घरवालों से कहा कि उसका चयन हो गया है। घरवालों को दिखाने के लिए वह वर्दी पहनता था।

फूलबाग मैदान में शिवमहापुराण कथा के लिए हुआ भूमिपूजन

- कलश यात्रा 14 को निकलेगी, कौशिक महाराज होंगे शामिल

ग्वालियर। गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला के सहायतार्थ फूलबाग मैदान ग्वालियर में 14 मई से 23 मई तक पुराण मनीषी कौशिक महाराज के पावन सानिध्य में शिवमहापुराण कथा का आयोजन के लिये कथा स्थल पर विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में रानीघाटी गौशाला के महंत प्रेमानंद महाराज, गंगादास की बड़ी शाला के महंत रामसेवक दास महाराज, गौशाला स्वामी ऋषभ देवानंद महाराज, पूजन आचार्य गिर्राज गुरूजी, प्रथम नागरिक एवं महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार उपस्थित थे। यहां बता दे कि 14 मई को अपरान्ह 4 बजे से श्री सनातन धर्म मंदिर अचलेश्वर मार्ग से कथा स्थल फूलबाग मैदान तक भव्य कलश यात्रा निकलेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम के संयोजक विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि शिवमहापुराण कथा वाचक कौशिक महाराज ने प्रण लिया है कि जब तक उनकी गौशाला में 1 लाख गायें नहीं होगी, तब तक भोजन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस कथा के माध्यम से निश्चित ही गौवंश की सेवा होगी। डॉ. सिकरवार ने कहा कि कथा की तैयारियां जोरों पर चल रही है और कथा को सफल बनाने के लिये आयोजन समितिओं का गठन कर लिया गया है। कार्यक्रम में महंतगणों द्वारा भी शिवमहापुराण कथा की महत्वताओं एवं उससे प्राप्त होने वाले फल के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यक्रम में पूर्व जी.डी.ए अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राजपूत, प्रेमसिंह यादव पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, श्याम बंसल, मोहन महेश्वरी, किशोर जैन, हरिदास अग्रवाल, अशोक जैन, महेश मुदगल, उमेश उप्पल, राकेश अग्रवाल उपाध्यक्ष चेम्बर ऑफकॉमर्स, सुरेश दादा, विजय कब्जू, महेन्द्र सेंगर, रमेशचन्द्र गोयल, एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, रामदेव शास्त्री, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, अनूप शिवहरे, बृजेश शुक्ला, रूपेश दुबे, पार्षद प्रमोद खरे, सुरेन्द्र साहू, विजय बहादुर त्यागी, सुरेश प्रजापति, पार्षद अंकित कठठूल, हेमलता प्रजापति, अभय कुमार सिंह, गायत्री चौरसिया, अशोक शर्मा, रामअवतार जाटव, जीतू कुशवाह, हरेन्द्र वर्मा, नवल शर्मा, औतार कुशवाह, श्याम गुप्ता, गीता गुप्ता, अनिल शर्मा 'बिट्टू', नरेश शर्मा, सतेन्द्र नागर, भूपेन्द्र बघेल, अनूप मिश्रा, सुनील कक्का, सीमा समाधिया, ममता कटारे, सुनीता तोमर, जगदीश उपाध्याय, अनिल वर्मा, राकेश बंसल, संजय मुदगल, महेश कुशवाह, के.के. शर्मा, मनीष अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल, आदित्य शर्मा, सत्यम त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

गौशाला में किया भजन, कीर्तन व संत सत्संग

ग्वालियर। वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर श्रीकृष्णायन गौशाला परिसर में बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। लश्कर में तिघरा रोड़ के नीचे माधव नगर में प्रतिदिन प्रभात फेरी निकालने वाले उदयभान रजक एवं वहां की नारी शक्तियों की मंडली ने भजन, कीर्तन और गौगाथा का गायन कर श्रद्धालुओं को भक्ति-रस में सराबोर कर दिया।

गौशाला में आयोजित संत-सत्संग में स्वामी ऋषभदेवानंद महाराज ने भगवान बुद्ध के जीवन, दर्शन और करुणा आधारित

जीवनशैली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गौसेवा और बुद्ध का मार्ग दोनों ही जीव मात्र के कल्याण की भावना को साकार करते हैं। गौमाता की सेवा, करुणा और संवेदना का जीवंत प्रतीक है, जो आज के युग में अत्यंत प्रासंगिक है। इस अवसर पर नगर के श्रद्धालु, युवा स्वयंसेवक, महिला मंडल तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। स्वामी जी के चरणों में प्रणाम करते हुए सभी नारी शक्तियां आनंद से भर गई और उन्होंने सुंदर-सुंदर भजन सुनाए इसके बाद वहां का वातावरण खुशहाली एवं आनंद से भर गया जो गौशाला तीर्थ स्थान की पहचान बन गया है। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक गौपूजन और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक से एंट्री के बदले वसूल रहा था पुलिसकर्मी रुपए, सस्पेंड

ग्वालियर। एक पुलिसकर्मी का ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक से एंट्री वसूलने का वीडियो सामने आया है। बुलेट पर सवार पुलिसकर्मी एक कौने में गाड़ी को रोकता है। इसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक आकर उसके हाथ में रुपए थमा देता है। यह पूरी घटना किसी ने मोबाइल कैमरे से रिकॉर्ड की है। घटना रविवार सुबह माधौगंज इलाके की ही है। वीडियो सामने आया तो पुलिस की किरकिरी हुई। जिस परएसएसपी धर्मवीर सिंह ने मामले को संज्ञान में लेकर पुलिस कर्मी की पहचान कर उसे सस्पेंड करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक पुलिसकर्मी बुलेट पर सवार होकर पहुंचता है। सामने से आ रही

ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक को रुकने का इशारा करता है। ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक कुछ दूरी पर वाहन रोक लेता है। पुलिसकर्मी भी एक घर के दरवाजे के पास खड़ा हो जाता है। ट्रैक्टर-ट्रॉली का चालक पुलिसकर्मी के पास पहुंचकर चुपचाप मुट्ठी बनाकर उसमें रुपए देता है। पुलिस कर्मी भी रुपए लेकर जेब में रख लेता है। पैसे लेने के बाद पुलिस जवान यहां वहां नजर घुमाता है और निकल जाता है, लेकिन उसकी यह हरकत पास ही छुपकर खड़े एक शख्स ने मोबाइल में कैद कर ली। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में जो पुलिसकर्मी रुपए लेते कैद हुआ है, उसके बारे में बताया जा रहा है कि वह माधौगंज में पदस्थ आरक्षक जगदीश जाट है। इस मामले में थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा से जानकारी चाही गई तो उनका कहना था कि वीडियो उनके पास भी पहुंचा है और उसकी जांच कराई जा रही है। आरक्षक की पहचान हो गई है और अफसरों को इसकी जानकारी दी है। पुलिस अफसरों ने पुलिसकर्मी जगदीश जाट को सस्पेंड कर दिया है।

मारपीट कर फरार हुये आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

ग्वालियर। पेड़ काटने को लेकर हुये विवाद के बाद दूधिया पर जानलेवा हमला कर फरार हुये आरोपी को तिघरा थाना पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

तिघरा थाना पुलिस ने बताया कि 12 जनवरी को दूध का कारोबार करने वाले वीरेन्द्र गुर्जर ने तिघरा थाना पुलिस को बताया था कि वह दूध बांटने ग्वालियर गया था। तभी उसके पिता रनवीर गुर्जर ने फोन करके बताया कि बड़े बंगला के पास खेत पर उसका चाचा भरत गुर्जर पेड़ काट रहा है तो गांव के ही एक व्यक्ति ने पेड़ काटने से रोका तो ग्रामीण ने भरत गुर्जर के साथ गाली गलोच कर लाठी से मारपीट कर दी और जब वह अपने चाचा को बचाने आया तो उस पर भी हमला कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की, तभी पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि इस प्रकरण का एक आरोपी पवा मढैया से सुजवाया गाँव की ओर जाते हुये देखा गया है। जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर धर दबोचा और जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने स्वयं को ग्राम गुर्जा थाना तिघरा का रहने वाला बताया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

करंट से युवक की मौत, किसान पर मामला दर्ज

ग्वालियर। पैदल जा रहे युवक की खेत की तार फेंसिंग से लगे करंट से मौत के मामले में पुलिस ने जांच के बाद किसान के खिलाफगैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र के अलापुर की है।

पुलिस ने बताया कि बाले का पुरा निवासी 27 वर्षीय राजेश कुशवाह पुत्र रमेश कुशवाह जब पैदल जा रहा था तो अशोक सिंह के खेत के पास से गुजर रहा था तो उसका हाथ खेत पर लगी तार फेंसिंग से लग गया। हाथ लगते ही उसे करंट लग और वह वहीं पर गिर गया। मामले का पता चलते ही आस-पास के लोग वहां पर पहुंचे और जांच की तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। इसका पता चलते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर मृतक का शव पीएम हाउस पहुंचा दिया। मामले की जांच की तो पता चला कि मृतक की मौत किसान नारायण सिंह कुशवाह पुत्र रमेश कुशवाह द्वारा तार फेंसिंग में लगाए गए करंट के चलते हुई थी। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सराफा कारोबारी को कारीगर ने लगाई पंद्रह लाख की चपत

ग्वालियर। कारखाने में रहकर सोने की चेन बनाने वाला एक कारीगर 180 ग्राम सोना लेकर चंपत हो गया। घटना जनकगंज थाना क्षेत्र के बाई साहब की परेड की है। घटना का पता उस समय चला जब सब्जी लेने गया कारीगर वापस ही नहीं लौटा तो मालिक ने उसकी जानकारी कराई, लेकिन पता नहीं चला तो कमरे का ताला तोड़ा तो पता चला कि कारीगर जेवर लेकर गायब हुआ है। इसका पता चलते ही पीडित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर कारीगर की तलाश शुरू कर दी है।

तेजेन्द्र नाथ की गली दाल बाजार निवासी शिवम अग्रवाल पुत्र प्रेमचंद्र अग्रवाल सराफा कारोबारी है और उनका सोने की चेन बनाने का कारखाना है। यहां पर आठ कारीगर काम करते हैं। सभी कारीगर अलग-अलग तरह की सोने की चेन बनाने का काम करते हैं। सभी कारीगरों को कारखाने में रहने के लिए कमरा दिया गया है। चार मई को उन्होंने मोनू पुत्र अशोक कुमार को 180 ग्राम सोना दिया था और उसे रस्सा चेन बनाने को बोला था। मोनू के साथ अनिल कुमार निवासी उन्नाव भी रस्सा चेन बनाता है और एक ही कमरे में रहते हैं। बीती छह मई को अनिल छुट्टी लेकर अपने गांव चला गया था और इसके अगले ही दिन मोनू सब्जी लेने जाने की कहकर कारखाने से निकला था और वापस नहीं लौटा। जब मोनू वापस नहीं लौटा तो अन्य कर्मचारियों ने इसकी जानकारी शिवम को दी। जानकारी मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और काफी देर इंतजार के बाद कारीगर को कॉल लगाया तो उसका मोबाइल बंद मिला। देर रात तक इंतजार करने के बाद वह वापस नहीं आया तो उसका पता लगाने के लिए अनिल को कॉल किया तो उसने उसकी जानकारी होने से इनकार कर दिया। शंका होने पर वहां पर लगे सीसीटीवी चेक किए तो पता चला कि वह सोने की चेन लेकर जाता कैद हुआ है। इसका पता चलते ही वह थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

छात्रा को शादी का झांसा देकर किया अगवा, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। शादी का झांसा देकर नाबालिग छात्रा को अगवा करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और छात्रा को बरामद कर लिया है। छात्रा बीती सात मई को गायब हुई थी। पुलिस अब पकड़े गए आरोपी से पूछताछ में जुट गई है।

मुरार थाना प्रभारी मैना पटेल ने बताया कि बीती सात मई को त्यागी नगर मुरार निवासी सत्रह वर्षीय छात्रा लापता हो गई थी। छात्रा के गायब होने पर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला तो पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर तलाश की तो पता चला कि छात्रा को अगवा करने वाला देवेश मंडेलिया पुत्र हरिनारायण मंडेलिया उम्र 20 साल निवासी चन्द्रबन्दनी नाक झांसी रॉड ग्वालियर है। इसका पता चलते ही आरोपी को पकडने व छात्रा को बरामद करने के लिए पुलिस की टीम को लगाया। पुलिस का दबाव पड़ा तो आरोपी छात्रा को छोड़कर फरार हो गया। छात्रा से पूछताछ में पता चला कि आरोपी उससे शादी की कहकर ले गया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ में जुट गई है।

वारदात की नीयत से हथियार लेकर घूम रहे बदमाश पकड़े, कट्टे-पिस्टल मिली

ग्वालियर। वारदात को अंजाम देने के लिए कट्टे और पिस्टल लेकर घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने सिमरिया के पास से पकड़ा है। पकड़े गए है और उनके पास हथियार भी है। इसका पता चलते ही पुलिस टीम के साथ सिमरिया इलाके में सर्चिंग की तो दो संदेही पुलिस को दिखाई दिए। जिन्हें

गए बदमाशों से पिस्टल और कट्टा मिला है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों को हथियार बरामद होते ही हिरासत में ले लिया है और पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अब बदमाशों से पूछताछ कर पता लगा रही है कि वह किस वारदात को अंजाम देने के लिए आए थे और यह हथियार उन्हें कहां से मिले है, जिससे उन्हें हथियार सप्लाई करने वालों के खिलाफभी कार्रवाई की जा सकें। डबरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल ने बताया कि सूचना मिली थी कि दो बदमाश सिमरिया के पास देखे देखकर पुलिस ने रोकने का इसारा किया तो संदेही भागने लगे। जिनका पुलिस ने पीछा किया और दोनों संदेही पकड़े और उनकी तलाशी ली तो उनके पास से एक पिस्टल और एक कट्टा के साथ जिन्दा राउण्ड मिले। पुलिस ने हथियार बरामद होते ही दोनों संदेहियों को पुलिस ने थाने पहुंचाकर पूछताछ की तो उनकी पहचान दतिया निवासी सचिन परिहार पुत्र धनीराम परिहार और अभिषेक पुत्र जण्डेल परिहार के रूप में हुइ है। अब पुलिस पूछताछ कर पता लगा रही है कि वह किस वारदात को अंजाम देने आए थे और उनके पास हथियार कहां से आए है।

कट्टा लेकर घूम रहा बदमाश

बहोड़ापुर थाना पुलिस ने एक बदमाश को किले से पकड़ा है। पकड़े गए बदमाश से पुलिस ने कट्टा बरामद किया है। पुलिस ने हथियार बरामद होते ही आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। टीआई बहोड़ापुर जितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि बीती रात एसआई रामचंद्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की टीम को पैदल गश्त कर थाना क्षेत्र में चेकिंग करने के निर्देश दिए थे। जिस पर पुलिस टीम गश्त करते हुए किले पर पहुंची तो दरगाह के पास एक युवक बैठा दिखा। जिस पर शंका होने के चलते पूछताछ की तो वह घबराने लगा। उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक कट्टा और जिन्दा राउण्ड बरामद हुआ। पकड़े गए युवक से हथियार बरामद होते ही उसे हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया और पूछताछ की तो उसकी पहचान प्रियाशु उर्फ छोटू पुत्र मोहन दुबे निवासी कोटेश्वर कालोनी के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जान देने के लिए अधेड ने गटकी नींद की गोलियां

ग्वालियर। अज्ञात कारणों के चलते एक अधेड़ ने नींद की गोलियों का ओवरडोज गटक लिया। घटना माधौगंज थाना क्षेत्र के कुंदालकर की गोठ की है। घटना का पता उस समय चला जब अधेड़ की हालत बिगड़ी तो परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां पर उनकी हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में भर्ती कर लिया है। माधौगंज थाना क्षेत्र के कुंदालकर की गोठ निवासी 47 वर्षीय अमित बंसल पुत्र रामकुमार बंसल ने बीती रात करीब आठ बजे अपने कमरे में नींद की गोलियों का ओवर डोज ले लिया। जब उनकी हालत बिगडने लगी तो परिजनों को घटना का पता चला। मामले का पता चलते ही अमित के परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां पर उनकी गंभीर हालत देखकर डॉक्टरों ने उपचार के लिए आईसीयू में भर्ती कराया है। अभी अधेड़ की हालत गंभीर है। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। अभी अधेड़ की हालत गंभीर होने के कारण उनके बयान नहीं हुए है, जिससे पता नहीं चल सका है कि किन कारणों के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है।

नेतृत्व विकास केवल कैरियर में ही नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी: दरियाव सिंह

ग्वालियर। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास क्षमता पाठ्यक्रम विकासखंड मुरार में ऑनलाइन मार्गदर्शन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों के साथ ही आयोजित की जा रही गतिविधियों की समीक्षा व मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु म.प्र. जन अभियान परिषद के प्रदेश कार्यालय से टास्क मैनेजर दरियाव सिंह सूर्यवंशी उपस्थित हुये। इस अवसर पर सीआरपीएफके नंदकिशोर सूर्यवंशी, रमन शिक्षा समिति के अध्यक्ष हरिओम गौतम तथा विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रीति वाजपेयी विशेष रूप से उपस्थित थी।

कार्यक्रम के शुभारंभ में रमन शिक्षा

समिति के अध्यक्ष हरिओम गौतम ने विकासखंड मुरार में आयोजित की जा रही सीएमसीएलडीपी कक्षाओं की जानकारी के साथ- साथ जल संवर्धन सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए जन अभियान परिषद के टास्क मैनेजर दरियाब सिंह सूर्यवंशी ने कहा कि नेतृत्व विकास केवल कैरियर में नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी हैकृचाहे वह परिवार हो, कार्यस्थल हो या समाज। एक अच्छा नेता बदलाव ला सकता है, और यही बदलाव समाज की तरक्की की नींव बनता है। इस अवसर पर टास्क मैनेजर दरियाब सिंह ने छात्र-छात्राओं से चर्चा कर कक्षाओं के संचालन के संबंध में सुझाव भी लिये। समापन अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रीति वाजपेयी ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मेंटर श्रीमती मंजू राठौर, श्रीमती उमा सोनी, भावना कुशवाह, शैलेन्द्र चौधरी, उमेश सेंगर सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्रायें उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से लिए सेम्पल

ग्वालियर। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों की सघन जाँच का अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने विभिन्न डेयरियों का निरीक्षण किया।

खाद्य सुरक्षा विभाग के सतीश कुमार शर्मा ने शिन्दे की छावनी स्थित श्रीकृष्णा डेयरी का निरीक्षण कर दूध, दही एवं घी के नमूने लिए। इसी प्रकार सतीश कुमार धाकड ने शिन्दे की छावनी स्थित बालाजी डेयरी का निरीक्षण कर दूध एवं दही के नमूने लिये। इसके साथ ही श्री बृजेश कुमार शिरोमणि ने गेंडे वाली सडक स्थित फर्म शिव डेयरी का निरीक्षण कर दूध एवं दही के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा लिए गए नमूनों की जाँच राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजी जायेगी। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

ओल्ड हाईकोर्ट गिर्राज मंदिर से हाथ ठेले वालों को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने सोमवार को अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान ने बताया कि शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक

अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत ओल्ड हाईकोर्ट गिर्राज जी मंदिर के पीछे दुकानदारों ने फुटपाथ घेर कर आस्थाई अतिक्रमण किया गया था। जिसको सोमवार को कार्यवाही कर अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। साथ ही सामान जप्ती की कार्यवाही की गई है।

संपादकीय

पालतू और जंगली परागणकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा

मधुमक्खियां परागण और शहद उत्पादन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इटली स्थित जानूट्री (Giannutri) नामक एक छोटे द्वीप में हुए हालिया अध्ययन से पता चला है कि मधुमक्खियों की मौजूदगी जंगली परागणकर्ताओं के लिए नुकसानदायक हो सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जब मधुमक्खियों को थोड़े समय के लिए उनके छत्तों में ही रोक कर रखा गया तो जंगली परागणकर्ताओं की संख्या में तो वृद्धि हुई ही, साथ ही उन्होंने अधिक मकरंद और पराग भी एकत्र किया। करंट बायोलॉजी में प्रकाशित यह अध्ययन संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्र में कॉलोनी बनाने वाली मधुमक्खियों की जंगली परागणकर्ताओं के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंता व्यक्त करता है। इस प्रयोग को युनिवर्सिटी ऑफ पीसा और युनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरेंस के वैज्ञानिकों ने अंजाम दिया। जानूट्री द्वीप टस्कन तट के पास स्थित है और विरल आबादी वाला है। वर्ष 2018 में वैज्ञानिकों और पार्क अधिकारियों ने स्थानीय परागणकर्ताओं पर पालतू मधुमक्खियों के प्रभाव को समझने के लिए यहां मधुमक्खी के 18 कृत्रिम छत्ते लगाए थे।

2021 से 2024 के बीच फरवरी से अप्रैल तक, वैज्ञानिकों ने जंगली मधुमक्खियों की दो प्रजातियों - बफ टेल्ड बम्बलबी (Bombus terrestris) और एक सॉलिटरी बी (Anthophora dispar) पर नज़र रखी। उपलब्ध मकरंद एवं पराग की मात्रा के आधार पर उन्होंने यह पता लगाने का प्रयास किया कि कितनी जंगली और कितनी पालतू मधुमक्खियां फूलों पर जा रही हैं। शोधकर्ताओं ने हर साल मधुमक्खी के 18 छत्तों को कुछ दिनों के लिए बंद किया। इससे उन्हें यह देखने का मौका मिला कि जब मधुमक्खियां अनुपस्थित थीं तब पर्यावरण में क्या बदलाव हुए। पाया गया कि मधुमक्खियों की अनुपस्थिति में जंगली परागणकर्ता काफी फले-फूले। मधुमक्खियों को छत्तों में रोकने पर कुछ महत्वपूर्ण बदलाव दिखे- फूलों में 60 प्रतिशत अधिक मकरंद पाया गया; पराग की मात्रा में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई; जंगली परागणकर्ता अधिक संख्या में दिखाई दिए और उन्होंने फूलों पर अधिक समय बिताया; प्रतिस्पर्धा न होने के कारण जंगली परागणकर्ताओं को मकरंद और पराग आसानी से मिला।

दरअसल, मधुमक्खियां भोजन के स्रोतों का पता लगाकर कॉलोनी की अन्य मधुमक्खियों को उसकी जानकारी देती हैं, जिससे वे जल्दी पहुंचकर मकरंद और पराग खत्म कर देती हैं। दूसरी ओर, जंगली परागणकर्ता अकेले भोजन खोजते हैं, इसलिए वे संगठित मधुमक्खी की तेज़ प्रतिस्पर्धा के सामने कमज़ोर पड़ जाते हैं। चार साल की इस अवधि में, पालतू मधुमक्खियों की उपस्थिति के कारण जंगली परागणकर्ताओं की संख्या में भारी गिरावट देखी गई। बम्बल बी और सॉलिटरी बी की आबादियों में 80 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई और पालतू मधुमक्खियां द्वीप के फूलों पर हावी रहीं। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने सॉलिटरी बी की गुंजन की आवाज़ में भी हर साल पहले से कमी पाई। मधुमक्खियों के अलावा अन्य कारक, जैसे कीट आबादी में कुदरती घट-बढ़ और फूलों की उपलब्धता में बदलाव भी इसकी वजह हो सकते हैं। वैज्ञानिक चेताते हैं कि यह निष्कर्ष शायद अन्य स्थानों पर लागू न हो। जानूट्री छोटा द्वीप है, यहां युरोप के मुकाबले मधुमक्खियों के छत्तों का घनत्व औसत से दुगना है, तो हो सकता है प्रतिस्पर्धा यहां अधिक हो। संभव है कि अन्य पारिस्थितिक तंत्रों में जंगली और पालतू मधुमक्खियां एक-दूसरे को प्रभावित किए बिना सह-अस्तित्व में रह सकती हैं।

एक्सपांशन माइक्रोस्कोपी: सूक्ष्म अवलोकन के लिए जुगाड़

हाल ही में, इसी काम के लिए एक्सपांशन माइक्रोस्कोपी (विस्तार सूक्ष्मदर्शिकी) नामक एक और तकनीक विकसित की गई है। यह तकनीक एक सर्वथा अलग सिद्धांत पर आधारित है, जो काफी सरल है। मान लीजिए कि जिस सूक्ष्म वस्तु का अवलोकन करना है उसे किसी तरीके से, हर तरफ समान रूप से फैलाया जाए; जैसे हम किसी गुब्बारे में हवा भरकर उसे फुला कर फैलाते हैं।

डॉ. भास बापट

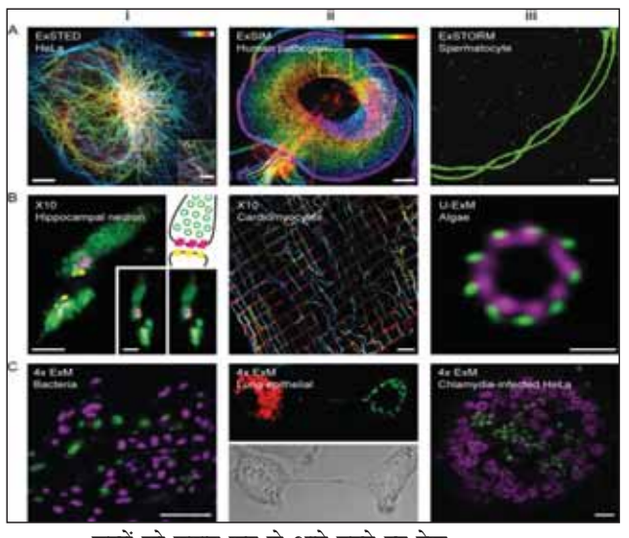

हमारी दृष्टि कई मामलों में सीमित है। पहला, हम प्रकाश वर्णक्रम (स्पेक्ट्रम) के केवल एक छोटे हिस्से को ही देख पाते हैं। हमारी देखने की क्षमता 400 नैनोमीटर (लाल प्रकाश) से 700 नैनोमीटर (बैंगनी) तरंगदैर्घ्य के बीच होती है। इसे दृश्यमान सीमा कहा जाता है। हम इसके बीच आने वाली तरंगदैर्घ्य के प्रकाश को ही देख पाते हैं। इससे कम तरंगदैर्घ्य (अवरक्त, आईआर) या अधिक तरंगदैर्घ्य (पराबैंगनी, यूवी) के प्रति हम असंवेदनशील होते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि इस सीमा से बाहर का प्रकाश हमें प्रभावित नहीं करता - कहने का मतलब यह है कि हम इन तरंगदैर्घ्यों की सीमा के बाहर के प्रकाश को देख नहीं पाते।

दूसरा, हम लगभग 30 माइक्रॉन तक की साइज़ की वस्तु ही देख सकते हैं, इससे छोटी नहीं। अंदाज़े के लिए देखें कि 1 मि.मी. 1000 माइक्रॉन के बराबर होता है। इससे सूक्ष्म चीज़ों को न देख पाने की सीमा हमारी आंख की संरचना - लेंस और रेटिना - के कारण होती है।

इससे सूक्ष्म चीज़ों को देखने के लिए सूक्ष्मदर्शी का उपयोग किया जा सकता है। प्रकाश सूक्ष्मदर्शी किसी नमूने को हमें लगभग 100 गुना बड़ा (आवर्धित) करके दिखा सकता है; इसकी मदद से हम 0.3 माइक्रॉन (0.0003 मिलीमीटर) साइज़ तक की चीज़ें देख सकते हैं।

मान लीजिए, हमारे सूक्ष्मदर्शी के लेंस बढ़िया हों और रेटिना भी बेहतर हो तब भी एक सीमा (साइज़) तक की ही सूक्ष्म चीज़ों को हम देख सकते हैं। भौतिकी के नियमानुसार, किसी तरंगदैर्घ्य का प्रकाश अपनी तरंगदैर्घ्य के लगभग आधी साइज़ की वस्तु की छवि बना सकता है। यह सीमा विवर्तन (डिफ्रेक्शन) के कारण होती है। विवर्तन यानी किसी वस्तु या अवरोध से टकराकर उसके आसपास प्रकाश तरंगों का मुड़कर आगे निकल जाना।

सरल रूप में विवर्तन को इस तरह समझ सकते हैं। यदि आप किसी तालाब में पत्थर फेंकते तो उसके चारों ओर लहरें बनती हैं, और आगे फैलती जाती हैं। पानी पर पत्तियों या छोटी डंडियों जैसे छोटे अवरोधक तैरते रहते हैं, लेकिन इनकी उपस्थिति के बावजूद दूर खड़ा दर्शक इन लहरों को समान रूप से आगे बढ़ते हुए देख पाता है, उसे लहरों में कोई उथल-पुथल नहीं दिखेगी। लेकिन, यदि पानी पर तैरने वाला अवरोधक लहर की साइज़ (यानी दो क्रमागत लहरों के बीच की दूरी) से बड़ा होता है तो लहरें विकृत हो (टूट) जाती हैं। संक्षेप में, लहर की साइज़ से छोटी वस्तुएं लहरों में परिवर्तन नहीं कर पातीं, जबकि उससे बड़ी वस्तुएं ऐसा कर पाती हैं।

ऐसा ही प्रकाश के साथ भी होता है। प्रकाश केवल तभी प्रतिबिंब बना सकता है जब वह बाधित किया जाता है। इसलिए बहुत छोटी वस्तुओं (तरंगदैर्घ्य से छोटी वस्तुओं) का प्रतिबिंब नहीं बन सकता। और यह सीमा है 300 नैनोमीटर, यानी तरंगदैर्घ्य के लगभग आधे के बराबर।

इस विभेदन सीमा से पार पाने के लिए वैज्ञानिकों ने कई जुगाड़ किए हैं। इनमें से एक है अत्यंत लघु तरंगदैर्घ्य के प्रकाश और विशेष स्क्रीन का उपयोग करना। अलबत्ता, यह तरकीब हमें बहुत दूर तक नहीं ले जा सकती। बहुत सूक्ष्म चीज़ों को फिर भी नहीं देख पाते। इसके अलावा, अत्यंत लघु तरंगदैर्घ्य (जैसे एक्स-रे) हानिकारक हो सकती हैं और इसलिए केवल निर्जीव वस्तुओं के अवलोकन में उपयोगी होती हैं। दूसरी तकनीक है इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी। इसमें इलेक्ट्रॉन्स के तरंग गुणों का उपयोग करके छवि बनाई जाती है। (क्वांटम यांत्रिकी के मुताबिक इलेक्ट्रॉन से सम्बद्ध तरंग की तरंगदैर्घ्य लगभग 10-10 मीटर होती है।) लेकिन ये भी मृत कोशिकाओं या वायरस जैसी निर्जीव वस्तुओं तक ही सीमित हैं।

फिर, पिछले करीब 10 सालों में लेज़र द्वारा उद्दीप्त उत्सर्जन और (जिसकी छवि बनानी है उस) वस्तु के अणुओं की कुछ क्वांटम यांत्रिक विशेषताओं का उपयोग करके सूक्ष्म चीज़ों की छवि बनाने का तरीका विकसित किया गया है। इस तकनीक को सुपर रिज़ॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी कहा जाता है।

हाल ही में, इसी काम के लिए एक्सपांशन माइक्रोस्कोपी (विस्तार सूक्ष्मदर्शिकी) नामक एक और तकनीक विकसित की गई है। यह तकनीक एक सर्वथा अलग सिद्धांत पर आधारित है, जो काफी सरल है। मान लीजिए कि जिस सूक्ष्म वस्तु का अवलोकन करना है उसे किसी तरीके से, हर तरफ समान रूप से फैलाया जाए; जैसे हम किसी गुब्बारे में हवा भरकर उसे फुला कर फैलाते हैं। अब, जब यह गुब्बारा थोड़ा फूला हुआ हो तब हम इस पर तीन चिन्ह (बिंदु) अंकित करते हैं, और उन बिंदुओं के बीच की दूरी को माप लेते हैं। अब यदि गुब्बारे के आयतन को 125 गुना तक फैलाते हैं, और यदि गुब्बारा एक समान रूप से फैलता (फूलता) है तो प्रत्येक बिंदु के बीच की दूरी 5 गुना बढ़ जाएगी। इससे हम उन सूक्ष्म लक्षणों को देख पाएंगे जिन्हें पहले नहीं देख पाए थे।

सूक्ष्म वस्तुओं को देखने के लिए भी यही तरकीब अपनाई जा सकती है। ज़ाहिर है, गुब्बारे की तरह हम उन सूक्ष्म वस्तुओं में हवा भरकर फुला तो नहीं सकते। अलबत्ता हम कुछ ऐसे रसायन अवश्य खोज सकते हैं जो सूक्ष्म चीज़ों की संरचना को तोड़े बिना उनके अंदर प्रवेश कर जाएं और उनको फैला दें।

यदि वस्तु का फैलाव पर्याप्त हो जाता है तो वस्तु की बनावट की बारीकियों को साधारण प्रकाश और एक कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप से देखा जा सकता है। हालांकि, यह सुनिश्चित होना चाहिए कि वस्तु में रसायन प्रवेश कराने पर वह सभी जगह से एक समान रूप से फैले। ऐसी स्थिति में ही इस तरह प्राप्त आवर्धित छवि विश्वसनीय होगी यानी सारे बिंदु मूल वस्तु के समान ही प्रदर्शित होंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए हम इस संभावना का सहारा लेते हैं कि वस्तु में अणु किन्हीं बिंदुओं पर बाहरी रसायन से बंध जाएंगे। वस्तु और रसायन के बंधने के ये स्थान एंकर पॉइंट के रूप में काम करते हैं- कुछ-कुछ फुटबॉल के शीर्ष या जोड़ बिंदुओं की तरह (यानी वे बिंदु जहां फुटबॉल के काले और सफेद बहुभुज मिलते हैं), जो फुटबॉल में हवा भरने पर फुटबॉल की गोलाई (बनावट) को बनाए रखते हैं।

विस्तार माइक्रोस्कोपी एक बहु-चरणीय प्रक्रिया है। इसका मूल कार्य है - नमूने के अंदर एक बहुलक तंत्र का निर्माण करना और फिर इस बहुलक तंत्र को सममित ढंग से फुलाना।

विस्तार माइक्रोस्कोपी के क्रमवार चरण हैं - अभिरंजन (स्टेन) करना, बंध बनाना, विगलित करना और विस्तार करना। स्टेन करने के चरण में फ्लोरोफोर (दीप्ति बिखेरने वाले अणु) कोशिका में डाले जाते हैं। ये अगले चरण में बहुलक तंत्र से जुड़ जाते हैं। बंधन या लिंकिंग चरण में कोशिकाओं में बहुलक जेल डाला जाता है, जो पूरे नमूने में फैल जाता है। विगलन चरण में एक विलयन कोशिका में डाला जाता है जो कोशिका को पचा डालता और कोशिका से संरचना को हटाता है। यह चरण बहुत अहम चरण होता है, यदि यह चरण विफल हो जाता है तो नमूना ढह या टूट सकता है। अंत में, विस्तारण चरण में जेल सभी तरफ फैल जाता है। जेल से जुड़े फ्लोरोफोर अणु भी पूरे नमूने में फैल जाते हैं और फैले हुए नमूने में नया स्थान ग्रहण कर लेते हैं। चूंकि जेल चारों ओर एक समान रूप से फैलता है, फ्लोरोफोर के अणुओं के बीच एक आनुपातिक अंतराल बना रहता है।

उच्च विभेदन वाले प्रतिबिंब बनाने के अन्य तरीकों की तुलना में विस्तार माइक्रोस्कोपी का एक लाभ यह है कि इसके लिए जीवविज्ञान प्रयोगशालाओं में उपलब्ध सूक्ष्मदर्शी के अलावा अन्य किसी विशेष उपकरण की ज़रूरत नहीं होती है। इस तरीके की एक कमी यह हो सकती है कि नमूने को एक समान रूप से फैलाने वाले, नमूने को स्थिर रखने वाले, और चिन्हित करने वाले पॉलीमर या फ्लोरोफोर न मिलें। वर्तमान में एक्सपांशन माइक्रोस्कोपी से कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप का उपयोग करके 70 नैनोमीटर तक की सूक्ष्म चीज़ें देखी जा सकती हैं, अन्य तरीकों से केवल 300 नैनोमीटर तक देख पाना संभव है।

अहंकार पर नियंत्रण पाकर हम बेहतर और समाधानी जीवन जी सकते

अहंकार मानसिक स्वास्थ्य की ऐसी स्थिति है जो मनुष्य के जीवन के हर पल को प्रभावित करती है। एक हद तक यह प्रेरित करती है, लेकिन लगातार इसके बढ़ने से समस्याओं का अंबार लग जाता है, जो खुद को ही नहीं अपितु आसपास के जुड़े लोगों के जीवन को भी बुरी तरह से अस्तव्यस्त करती है। केवल स्वार्थ या मैं, मेरा विचार करना हमें मानसिक सुख से दूर करता है। इतिहास गवाह है कि इस अहंकार की भेट में राजपाट, शोहरत, दौलत लूट गए। अधिकतम युद्धों का अहंकार मुख्य कारण रहा। रोजाना अनगिनत जिंदगियां तबाह हो जाती है और इसी अहंकार के कारण आवेश में अनुचित निर्णय लेकर जीवन का सुख शांति छीन लेते है। हमारी छोटी सी अनमोल जिंदगी है इसे खुलकर सुख-शांति से जीना चाहिए, निराशा और क्रोध में इसे व्यर्थ गवाना नहीं चाहिए, वक्त निकल जाने के बाद आखिर में जीवन में पछतावे के अलावा कुछ नहीं रहता। रिसर्च से पता चला है कि हमारे अधिकांश दुखों के लिए जिम्मेदार अदृश्य अहंकारी मन से प्रभावित होना हो सकता है, जिसमें श्रेष्ठता, हीनता, पूर्वाग्रह, दूसरों का मूल्यांकन, चालाकी, क्रोध, ईर्ष्या, भय, आक्रोश, व्यसन, तनाव, हिंसा, नस्लवाद, लिंगवाद, प्रशंसा, अनुमोदन, प्रतिक्रियावादी होना, सहानुभूति की कमी, अकेलापन, निराशा, झूठा प्रचार, धार्मिक और जनजातीय युद्ध आदि की झूठी भावनाएं शामिल है। इस प्रकार के सभी नकारात्मक और विनाशकारी गुणों का हमारे व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक संबंधों और समग्र विश्व पर गंभीर परिणाम पड़ता है। कई लोग जो ईगोमेनिया अर्थात अहंकारोन्माद से पीड़ित हैं, जो मानसिक और भावनात्मक दुर्व्यवहार का एक रूप है, उन्हें यह भी पता नहीं होता कि वे इस मानसिक स्थिति का अनुभव कर रहे है।

हर साल 11 मई को विश्व अहंकार जागरूकता दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है, अहंकार जागरूकता आंदोलन और विश्व अहंकार जागरूकता दिवस की स्थापना 2018 में इस मानसिक स्थिति से पीड़ित सभी लोगों की सहायता करने और दूसरों को दुर्व्यवहार के इस अदृश्य रूप के प्रभावों का अनुभव करने से रोकने के लिए की गई थी। इस दिवस का उद्देश्य अहंकार से जुड़े मुद्दों को उजागर करना है, सभी को जागरूक होने, अपनी जागरूकता बढ़ाने और आत्म-केंद्रित या अहंकारी व्यवहार के खिलाफ बोलने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसका लक्ष्य यह समझना है कि अहंकार किस प्रकार क्रोध, पूर्वाग्रह और हिंसा जैसे नकारात्मक व्यवहारों को जन्म दे सकता है। यह दिवस अहंकार से प्रेरित व्यवहार जैसे क्रोध, आक्रोश और हिंसा के नकारात्मक परिणामों पर प्रकाश डालता है, तथा व्यक्तियों को ऐसी प्रवृत्तियों को चुनौती देने और उन पर काबू पाने के लिए प्रोत्साहित करता है। अहंकार की इस मानसिक स्थिति पर प्रत्येक व्यक्ति को काबू पाना होगा।

अहंकार स्वस्थ और अस्वस्थ दोनों प्रकार का होता है, एक स्वस्थ अहंकार मनुष्य को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने में मदद करता है, जिससे अधिक यथार्थवादी लक्ष्य और अधिक सकारात्मक आत्म-छवि प्राप्त होती है, जो प्रेरणा और लचीलेपन के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहारों पर नियमित रूप से चिंतन करने से हमको यह पहचानने में मदद मिल सकती है कि कब हमारा अहंकार हमारे निर्णय लेने को प्रभावित कर रहा है, साथ ही दूसरों के दृष्टिकोण को समझना और स्वीकार करना हमें अपने अहंकार को नियंत्रित करने और उनकी प्रेरणाओं के बारे में धारणा बनाने से बचने में मदद कर सकता है। आत्म-सुधार के लिए प्रयास करना हमको अधिक सुरक्षित और स्वस्थ अहंकार बनाने में मदद कर सकता है। स्वस्थ अहंकार वाले व्यक्ति मुश्किल परिस्थितियों से निपटने में बेहतर ढंग से सक्षम होते हैं, वे सक्रिय मुकाबला रणनीतियों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रचनात्मक तरीके से तनाव से निपटने की क्षमता को बढ़ाते है।

अस्वस्थ अहंकार हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जो लोग स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझते हैं, दूसरों के प्रति सहानुभूति की कमी दिखाते हैं, तथा दूसरों के दृष्टिकोण का सम्मान नहीं करते, यह अस्वस्थ अहंकार के लक्षण है। अत्यधिक अहंकार के कारण आलोचना को स्वीकार करने में कठिनाई हो सकती है, तथा सहानुभूति की कमी हो सकती है, जिससे रिश्तों में तनाव आ सकता है तथा मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अहंकार व्यक्ति को आलोचना के प्रति अतिसंवेदनशील बना सकता है, नकारात्मक प्रतिक्रिया से आसानी से उत्तेजित हो सकता है, तथा आत्म-विनाश के लिए प्रवृत्त कर सकता है, या दुसरो को नुकसान पहुंचा सकता है। अस्वस्थ अहंकार, आलोचना को सहना, संघर्ष में शामिल होना, तथा सीमाओं को स्वीकार करना कठिन बनाकर दीर्घकालिक तनाव पैदा कर सकता है। अक्रियाशील अहंकार वाले व्यक्ति अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए इनकार, टालमटोल, या मादक द्रव्यों के सेवन जैसे अनुपयुक्त मुकाबला तंत्रों का सहारा ले सकते हैं।

अहंकार निर्णय क्षमता को प्रभावित कर सकता है तथा आवेगपूर्ण या अविवेकपूर्ण निर्णय लेने की ओर ले जा सकता है, जिसका स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब अहंकार हमारे बस में होता है या अहंकार से हम समयानुसार परिवर्तनशील व लचीले होते है तब अहंकार हमें नया कुछ ज्ञान देता है, जिंदगी में कुछ सिखाता है, हम अपनी गलतियों से सीखकर खुद में बदलाव लाते है, कमजोरियों को स्वीकारते है। परंतु जब यह अहंकार हमारे आपे से बाहर हो जाता है, तब यह मनुष्य का अहंकार विनाश की ओर प्रगति का स्रोत है, कभी-कभी अहंकार पाप और अपराध का कारण भी बनता है। हमें सफल होने से हम खुद नहीं रोकते बल्कि हमारा अहंकार रोकता है, कुछ लोग अपने अहंकार की वजह से बहुत अनमोल रिश्ते खो देते है। अहंकार हमको यह महसूस नहीं होने देता की हम गलत है, अहंकार और ईर्ष्या करने वाले लोगों को कभी मन की शांति नहीं मिलती। अहंकार हमारे दिमाग और मन से भी ऊपर हैं, या तो हम अपने दिमाग पर राज करें या यह हमारे दिमाग पर राज करेगा। अहंकारी इंसान को न तो अपनी भूले नजर आती है ना ही दूसरों की अच्छी बातें।

हम अपने अहंकार को स्वस्थ बनाएं रखने के लिए और अपने अहंकार को नियंत्रित करने के लिए, इसके मूल कारणों को समझने पर ध्यान केन्द्रित करें, विनम्रता का अभ्यास करें, तथा सहानुभूति और आत्म-जागरूकता विकसित करें। इसमें अपनी ताकत और कमजोरियों को स्वीकार करना, अपनी आलोचना को भी बुद्धिमानी से सहजतापूर्वक स्वीकार करना और दूसरों की भलाई को प्राथमिकता देना शामिल है।

सीजफायर-मोदी की राष्ट्रवाद से यू-टर्न तक की अधूरी कहानी

फिर एक दिन ऑपरेशन सिंदूर जिस तरह अचानक शुरू हुआ था, उतनी ही चुप्पी से वह थम भी गया। इसके पीछे कई कारण माने जा रहे हैं,जिसकी चर्चा करना यहां जरूरी है। कहा जा रहा कि संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने भारत से मानवाधिकारों को लेकर जवाबदेही की मांग की।

अजय कुमार,वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति में ऐसे कई क्षण आते हैं जब कोई घटना देश की जनता और सत्ता प्रतिष्ठान के बीच संबंधों को गहराई से प्रभावित करती है। पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 26 हिन्दुओं की हत्या भी इसी की एक कड़ी थी,जिसका हिसाब चुकाने के लिये मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर कड़ा कूटनीतिक और सैन्य प्रहार किया,जिसकी शुरूआत पाकिस्तान के साथ दशकों पुराने चले आ रहे सिंधु जल समझौते के निलंबन से हुई तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुस कर ही आतंकवादियों को कब्र में सुला दिया,आपरेशन सिंदूर एक ऐसी ही सैन्य कार्रवाई थी, जो जितनी तेजी से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आई, उतनी ही जल्द वह विवादों और अस्पष्टताओं के भंवर में फंसकर थम गई। यह ऑपरेशन अपने कथित उद्देश्यों के कारण जितना महत्वपूर्ण था, उतना ही इसके अचानक ठहराव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए।जब पहलगाम में आतंकियों ने 26 हिन्दुओं को उनका धर्म पूछ कर मारा तो इसका बदला लेने के लिये पूरा देश और विपक्ष मोदी सरकार के साथ खड़ा हो गया।सबने एक सुर में कहा मोदी सरकार जो कार्रवाई करेगी,उसका हम समर्थन करेंगे,प्रधानमंत्री मोदी ने भी सर्वदलीय बैठक बुलाकर सबको संतुष्ट करने में कोई गुरेज नहीं किया,लेकिन जब सीजफायर किया गया तो मोदी सरकार ने किसी से नहीं पूछा। उन विपक्षी नेताओं को भी भरोसे में नहीं लिया जो उनके साथ खड़े हुए थे,यह बात देशवासियों को पसंद नहीं आई। खासकर बीजेपी और मोदी समर्थक भी इस मुद्दे पर बीजेपी और मोदी सरकार के खिलाफ नजर आये। गौरतलब हो 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत एक गुप्त अभियान के तौर पर हुई थी, जिसका उद्देश्य कथित रूप से कश्मीर घाटी में आतंक के नेटवर्क को समाप्त करना और पाकिस्तान समर्थित तत्वों को निष्क्रिय करना था। इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' रखने के पीछे भावनात्मक और सांस्कृतिक प्रतीक था। सिंदूर, जो भारत में सुहागिन स्त्रियों का प्रतीक है। माना जा रहा था कि इस ऑपरेशन के तहत सुरक्षाबलों को 'फ्री हैंड' दिया गया था, और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के मार्गदर्शन में इसे अंजाम तक पहुंचाया जाना था। ऑपरेशन के शुरुआती दिनों में कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियाँ और सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकी ठिकानों पर हमले हुए भी थे। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीते, यह ऑपरेशन धीरे-धीरे मीडिया से गायब होता चला गया।

फिर एक दिन ऑपरेशन सिंदूर जिस तरह अचानक शुरू हुआ था, उतनी ही चुप्पी से वह थम भी गया। इसके पीछे कई कारण माने जा रहे हैं,जिसकी चर्चा करना यहां जरूरी है। कहा जा रहा कि संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने भारत से मानवाधिकारों को लेकर जवाबदेही की मांग की। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत से 'संवेदनशीलता' बरतने की अपील की। बात देश के भीतर की कि जोय तो ऑपरेशन के चलते स्थानीय जनता में असंतोष बढ़ने लगा था। स्कूल, कॉलेज बंद होने लगे थे और एक बार फिर घाटी में सुधरते हुए के हालात बिगड़ने लगे थे। मोदी सरकार को आगामी चुनावों में उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुस्लिम मतों को प्रभावित करने की चिंता थी। किसी भी प्रकार की कठोर सैन्य कार्रवाई इस वर्ग को और अलग-थलग कर सकती थी। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन की रणनीति को लेकर रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय के बीच मतभेद थे। कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का मानना था कि यह समय पूर्ण सैन्य कार्रवाई का नहीं, बल्कि सूक्ष्म कूटनीतिक प्रयासों का था।

बहरहाल,वजह कोई भी हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अब तक की छवि एक 'निर्णायक और मजबूत नेता' की रही है। 2016 का सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 का बालाकोट एयर स्ट्राइक उनके इस रूप की पुष्टि करते हैं। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर का अचानक ठहर जाना इस छवि पर धुंध छा जाता है। समर्थकों को लगता है कि सरकार ने एक बार फिर ÷कठोर कदम÷ की शुरुआत करके अंत में 'यू-टर्न' ले लिया। यह एक राजनीतिक चाल अधिक और सुरक्षा नीति कम प्रतीत हुआ। वहीं अभी तक मोदी सरकार के साथ खड़ी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अब पूरे घटनाक्रम को 'राजनीतिक नौटंकी' करार देते हुए पूछ रहे हैं कि यदि ऑपरेशन ज़रूरी था तो उसे अधूरा क्यों छोड़ा गया? और यदि नहीं था, तो इसकी शुरुआत क्यों की गई? पूर्व सैनिकों और रक्षा विश्लेषकों ने भी यह सवाल उठाया कि जब सैनिकों को 'ऑपरेशन मोड' में लाया गया, तो क्या उन्हें केवल राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बनाया गया?

विराट कोहली का टेस्ट संन्यास हर रन था जुनून

कोहली के टेस्ट करियर के आंकड़े शानदार हैं। 113 टेस्ट, 8845 रन, 29 शतक और 29 अर्धशतक विराट के नाम हैं। लेकिन जो चीज उन्हें आंकड़ों से ऊपर उठाती है, वह है उनकी मानसिक दृढ़ता और खेल के प्रति निष्ठा।

संजय सक्सेना,वरिष्ठ पत्रकार

महान क्रिकेट खिलाड़ी और हर फारमेट में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी कर चुके रोहित शर्मा के बाद उनके हम सफर एवं समकक्ष एक और बड़े खिलाड़ी विराट कोहली ने भी 14 वर्षों के बाद टेस्ट क्रिकेट से सन्यास ले लिया है। इसी के साथ भारतीय क्रिकेट में एक सदी का अंत हो गया, एक युग पर पूर्णविराम लग गया। जब विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की, तो न केवल क्रिकेट जगत, बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस की आंखें नम हो गईं। टेस्ट क्रिकेट, जिसे क्रिकेट का सबसे शुद्ध रूप कहा जाता है, वहां कोहली ने खुद को एक योद्धा की तरह साबित किया।विराट कोहली जुनून, अनुशासन और आक्रामकता के प्रतीक भर नहीं थे। उनकी विदाई सिर्फ एक खिलाड़ी का जाना नहीं है, यह एक भावना का अंत है।

विराट कोहली का टेस्ट करियर 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हुआ। शुरुआती असफलताओं के बावजूद, उन्होंने जल्द ही दिखा दिया कि उनके अंदर खास बात है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2012 की श्रृंखला में उनका शतक, इंग्लैंड में 2018 में पारी दर पारी लड़ना, और दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीतने की जिद को उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को अपना रण बना लिया था। कप्तानी के तौर पर भी कोहली ने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उन्होंने 68 टेस्ट में कप्तानी की, जिनमें से 40 में भारत को जीत दिलाई। यह एक भारतीय कप्तान के रूप में सर्वाधिक है। विदेशी धरती पर भारत की टेस्ट जीत, विशेषकर ऑस्ट्रेलिया में 2018 और इंग्लैंड में चुनौतीपूर्ण ड्रॉ, कोहली की आक्रामक नेतृत्व शैली की पहचान बन गई।

कोहली के टेस्ट करियर के आंकड़े शानदार हैं। 113 टेस्ट, 8845 रन, 29 शतक और 29 अर्धशतक विराट के नाम हैं। लेकिन जो चीज उन्हें आंकड़ों से ऊपर उठाती है, वह है उनकी मानसिक दृढ़ता और खेल के प्रति निष्ठा। विराट ने टेस्ट क्रिकेट को ताज की तरह पहना। जिस दौर में टी 20 और आईपीएल के चकाचौंध ने युवाओं का ध्यान खींचा, कोहली टेस्ट को 'बेस्ट फॉर्मेट' मानते रहे। वह अक्सर कहते थे कि अगर आपको एक असली बल्लेबाज बनना है, तो टेस्ट क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा।

यह कहना अतिशियोक्ति नहीं है कि कोहली सिर्फ एक बल्लेबाज नहीं, बल्कि एक लीडर थे। उनकी आक्रामकता ने टीम इंडिया को नया तेवर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को डर से नहीं, प्रेरणा से नेतृत्व किया। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाजों को टेस्ट में हथियार बनाना, और अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा करना कोहली की रणनीतिक सूझबूझ का हिस्सा था। विराट ने फिटनेस संस्कृति को भारतीय टीम में जड़ से बदल दिया।

5 दिन के अंदर कोहली-रोहित का टेस्ट से संन्यास

9 खिलाड़ी जगह लेने को तैयार, विराट को रिप्लेस करने के लिए श्रेयस नंबर-1 दावेदार

नईदिल्ली। स्पोर्ट्स डेस्क पांच दिन के भीतर भारत के दो सुपर स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब टीम में रवींद्र जडेजा को

छोड़कर कोई भी 60 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाला सीनियर प्लेयर नहीं बचा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि प्लेइंग-11 में रोहित और विराट की जगह कौन लेगा?

विराट कोहली ने आज अपने इंस्टा हैंडल पर टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। वे टीम में नंबर-4 पर बैटिंग करते हैं और स्क्वॉड के सबसे अनुभवी मेंबर हैं। उनके जाने से टीम में मिडिल ऑर्डर के अनुभवी और मजबूत बैटर का बहुत बड़ा गैप बनेगा। जिसे भरने के लिए भी 5 दावेदार मौजूद हैं।

श्रेयस अय्यर- भारत से तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके श्रेयस टेस्ट में कोहली को रिप्लेस करने के नंबर-1 दावेदार हैं। वे वनडे टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, लेकिन टेस्ट में खराब प्रदर्शन के कारण फिलहाल बाहर हैं। वे 14 टेस्ट में 1 शतक और 5 फिफ्टी लगा चुके हैं। श्रेयस के नाम 15 फर्स्ट क्लास शतक भी हैं।

रजत पाटीदार- इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में पाटीदार ने ही कोहली को रिप्लेस किया था। तब विराट निजी कारणों से सीरीज नहीं खेल सके थे। हालांकि, पाटीदार 3 मैचों में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को देखते हुए वे इंग्लैंड सीरीज के लिए एक बार फिर स्क्वॉड में जगह बना सकते हैं। रजत के नाम 13 फर्स्ट क्लास सेंचुरी हैं।

सरफराज खान- भारत के लिए पिछले साल ही टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज 1 शतक और 3 फिफ्टी लगा चुके हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी मैच में मौका नहीं मिला। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सरफराज का औसत 65.61 का है। वे घरेलू पिचों के एक्सपर्ट माने जाते हैं, ऐसे में विदेशी कंडीशन में उनका कोहली को रिप्लेस कर पाना मुश्किल है।

ध्रुव जुरेल- 24 साल के जुरेल भारत के लिए 4 टेस्ट खेल चुके हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी अपनी टेक्निक से सिलेक्टर्स का ध्यान खींचा। युवा जुरेल विकेटकीपंग भी कर लेते हैं, ऐसे में प्लेइंग-11 में शामिल होने का ज्यादा ऑप्शन देते हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए मैनेजमेंट उन पर भी इन्वेस्ट कर सकता है।

करुण नायर- घरेलू क्रिकेट के पिछले सीजन में अपनी परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचने वाले करुण को इंग्लैंड में भी खेलने का अनुभव है। कोहली के रिप्लेसमेंट के रूप में वे अच्छा ऑप्शन हैं। घरेलू मैदान पर भारत के लिए तिहरा शतक लगाने के साथ वे 23 फर्स्ट क्लास सेंचुरी भी लगा चुके हैं।

कौन ले सकता है रोहित की जगह?

रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट से संन्यास लिया। पिछले 6 साल से वे रेड बॉल में ओपनिंग कर रहे थे। ओपनिंग पोजिशन पर उनकी जगह केएल राहुल परमानेंट हो सकते हैं। जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की थी। शुभमन भी ओपनिंग करने लौट सकते हैं। इनके अलावा भी 4 युवा प्लेयर्स रोहित की जगह लेने के दावेदार हैं।

साई सुदर्शन- 23 साल के सुदर्शन ढ्ढक्कू में अपनी परफॉर्मेंस के बाद चर्चा में हैं। वे भारत के लिए 3 वनडे और 1 टी-20 खेल चुके हैं। उनकी टेक्नीक और स्किल को देखते हुए रवि शास्त्री जैसे एक्सपर्ट्स उन्हें टेस्ट टीम के लिए फिट बता चुके हैं। सुदर्शन फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 7 शतक लगा चुके हैं और उन्हें इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट का अनुभव भी है।

देवदत्त पडिक्कल- 24 साल के पडिक्कल को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मौका मिला था। उन्होंने नई गेंद के सामने बेहतरीन बैटिंग की थी। 2 टेस्ट के अलावा वे 2 टी-20 भी खेल चुके हैं। वे इंडिया-ए टीम से लगातार फर्स्ट क्लास मैच खेलते रहते हैं। इस फॉर्मेट में 6 शतक लगाकर वे 2815 रन बना चुके हैं।

अभिमन्यु ईश्वरन- ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित पहला मैच नहीं खेल सके, उनकी जगह स्क्वॉड में ईश्वरन को ही मौका मिला था। उन्हें अब तक इंडिया डेब्यू का मौका नहीं मिला, लेकिन फर्स्ट क्लास के 101 मैचों में वे 27 शतक लगा चुके हैं।

ऋतुराज गायकवाड- व्हाइट बॉल क्रिकेट में भारत से डेब्यू कर चुके गायकवाड भी रोहित को रिप्लेस करने के उम्मीदवार हैं। हालांकि, वे घरेलू क्रिकेट में रेड बॉल से ज्यादा प्राथमिकता व्हाइट बॉल को देते हैं। देखना अहम होगा कि उन्हें स्क्वॉड में शामिल करने के बारे में विचार होता है या नहीं। गायकवाड के नाम 7 फर्स्ट क्लास शतक हैं।

जडेजा ही इकलौते अनुभवी बचे

रोहित और कोहली के बाद टेस्ट टीम में रवींद्र जडेजा ही इकलौते सीनियर प्लेयर बचे, जिनका करियर 12 साल से ज्यादा है। माना जा रहा है कि जडेजा अगर 1-2 साल में इस फॉर्मेट से रिटायर नहीं हुए तो उन्हें भी चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की तरह साइडलाइन कर दिया जाएगा। ईशांत शर्मा, उमेश यादव और ऋद्धिमान साहा भी कुछ प्लेयर रहें, जिन्हें रिटायरमेंट से पहले ही टीम से बाहर कर दिया गया था। टीम इंडिया ने युवा प्लेयर्स पर इन्वेस्ट करना शुरू कर दिया है। ऐसे में नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर पर भी गाज गिर सकती है। जडेजा के अलावा टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल ही थोड़े अनुभवी हैं। दोनों ने 45 से ज्यादा टेस्ट खेल लिए हैं। बुमराह 31 और राहुल 33 साल के हैं। इंजरी को देखते हुए बुमराह का करियर कितना लंबा होगा, इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता। वहीं राहुल 3 से 4 साल और टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं।

गिल और पंत कप्तानी के दावेदार

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, शुभमन गिल टेस्ट टीम के कप्तान और ऋषभ पंत उप कप्तान बनाए जा सकते हैं। जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को देखते हुए उन्हें लीडरशिप रोल देना मुश्किल है। BCCI के सूत्र ने बताया कि बुमराह अगर कप्तान नहीं बने तो उन्हें उप कप्तान बनाने का कोई मतलब नहीं। बुमराह ने भी अपनी फिटनेस को देखते हुए कप्तानी करने से मना कर दिया है।

भारत-पाक सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने प्रैक्टिस शुरू की

16 या 17 मई से फिर हो सकता है आईपीएल

नईदिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। रविवार शाम को टीम के खिलाड़ियों ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जाकर प्रैक्टिस की।

हालांकि, आईपीएल को दोबारा शुरू करने के लिए अभी आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं है। माना जा रहा है किआईपीएल 16 या 17 मई से फिर से शुरू हो सकता है। भारत-पाक के बढ़ते तनाव के कारण आईपीएल को 9 मई को एक हफ्ते के लिए रोक दिया गया था। फाइनल सहित 16 मैच बचे हुए है। वहीं 8 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच को भी बीच में ही रोक दिया गया था। पंजाब ने पहले बैटिंग करते हुए 10.1 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 122 रन बना लिए थे। हमलों के बीच मैच रोकना पड़ा था।

गुजरात पॉइंट्स टेबल में टॉप पर

आईपीएल रोके जाने तक लीग स्टेज के 57 मैच खत्म हो चुके थे।

58वां मैच बीच में रोका गया। 57 मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सबसे ज्यादा 16-16 पॉइंट्स रहे। बेहतर रन रेट के कारण ल्ज्ञ टॉप पर रही। मौजूदा सीजन के बचे मुकाबले चार वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। फाइनल मुकाबला 30 मई को मुमकिन है। नया शेड्यूल जल्द जारी होगा।

BCCI के एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा- लीग के बाकी मुकाबले अगले हफ्ते से शुरू होंगे। इन्हें चार वेन्यू पर कराया जाएगा। जल्द ही वेन्यू फाइनल किए जाएंगे। लीग बेंगलुरु और लखनऊ मैच के साथ फिर से शुरू होगी। वहीं, PTI ने एक सूत्र के हवाले से लिखा कि फाइनल मैच कोलकाता से बाहर हो सकता है। पिछले शेड्यूल में प्लेऑफ के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाने थे। फाइनल मैच भी कोलकाता में होना था। गुजरात टाइटंस शुरुआत से ही आईपीएल 2025 को जीतने की बड़ी दावेदार रही है। अभी इस टीम के 3 खिलाड़ी ऑरेंज कैप की रेस में हैं।

साई सुदर्शन (509 रन), शुभमन गिल (508) और जोस बटलर (500 रन) बना चुके हैं। दूसरी ओर पर्पल कैप भी फिलहाल गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी के पास है। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 20 विकेट लेने के साथ पर्पल कैप होल्डर बने हुए हैं। गुजरात के अभी 3 मैच बाकी हैं और वह टेबल के टॉप-2 में जगह पक्की कर सकती है।

मुझे वो आंसू याद रहेंगे जो तुमने कभी नहीं दिखाए: अनुष्का शर्मा

नईदिल्ली। विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 14 साल तक टेस्ट में भारत के लिए खेलने वाले विराट ने 123 मैचों में 9230 रन बनाए। इनमें 30 शतक शामिल हैं। पूरा क्रिकेट जगत विराट के रिटायरमेंट पर प्रतिक्रिया दे रहा है। जानते हैं किसने क्या कहा...

अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर विराट के साथ फोटो शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, वे रिकॉर्ड और माइलस्टोन के बारे में बात करेंगे। लेकिन मुझे वो आंसू याद रहेंगे जो तुमने कभी नहीं दिखाए, वो संघर्ष जिन्हें किसी ने नहीं देखा और वह अटूट प्यार जो आपने टेस्ट क्रिकेट को

दिया। हर टेस्ट सीरीज के बाद आप थोड़े समझदार, थोड़े विनम्र होकर लौटे। आपको इन सबके माध्यम से विकसित होते देखना एक विशेषाधिकार रहा है।

अनुष्का ने आगे इस पोस्ट में लिखा, मैंने हमेशा कल्पना की थी कि आप टेस्ट क्रिकेट में किसी अलग तरह से संन्यास ले लेंगे, लेकिन आपने हमेशा अपने दिल की बात सुनी है। इसलिए मैं बस इतना कहना चाहती हूं आपने इस अलविदा का हर पल कमाया है।

टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा, विश्वास नहीं हो रहा। आप मॉडर्न डे लीजेंड हैं, टेस्ट क्रिकेट में आपकी कप्तानी ने फॉर्मेट की दिशा बदल दी। सुखद यादों के लिए धन्यवाद, मैं इन्हें हमेशा याद रखूंगा। शास्त्री ने आगे कहा कि कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को जुनून और आक्रामकता के साथ जिया और इस फॉर्मेट में भारत की पहचान को नई ऊंचाई दी।

व्यापार

टाटा होसुर प्लांट में आईफोन केसिंग का उत्पादन करेगी दोगुणा, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

मुंबई, एजेंसी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने तमिलनाडु के होसुर संयंत्र में आईफोन के आवरणों के उत्पादन को बढ़ाने की तैयारी की है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स अब अपनी वर्तमान क्षमता को दोगुणा करने की तैयारी में जुटी हुई है। अब ये क्षमता लगभग 50 हजार युनिट्स से बढ़कर इसका दोगुणा निर्माण करने की हो जाएगी। द इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के संयंत्र में मौजूदा क्षमता 50 हजार यूनिट्स की है जिसे दोगुणा करने पर विचार किया जा रहा है। ये विस्तार एप्पल के वार्षिक उत्पाद रिलीज चक्र के साथ मेल खाएगा। आमतौर पर एप्पल का नया प्रोडक्ट सितंबर में लॉन्च होता है। ये सुविधा के विस्तार के दूसरे चरण का हिस्सा है। पिछले वर्ष सितम्बर में आग लगने के कारण परिचालन बाधित हो गया था। इस घटना के बाद टाटा की विस्तार

की योजना अस्थायी तौर पर रुक गई थी। वहीं आग लगने के बाद संयंत्र में परिचालन बाधित हुआ था। इसके बाद से ही प्रयास किए जा रहे हैं कि स्थिति को सामान्य किया जाए। इस मामले से परिचित अन्य व्यक्ति ने कहा कि आग लगने के बाद उन्हें पटरी पर आने में समय लगेगा। रिपोर्ट की मानें तो क्षमता आग लगने से पहले के स्तर पर पहुंच गई है। अब इसका विस्तार किया जाएगा। ये विस्तार ऐसे समय में होगा जब एप्पल विस्तार के लिए भारत की ओर देख रहा है। बता दें कि एक मई को एप्पल की पहली तिमाही का आयोजन हुआ था, जिसमें सीईओ टिम कुक ने एप्पल की वैश्विक उत्पादन रणनीति में भारत के बढ़ते महत्व पर जोर दिया था। इस दौरान सीईओ टिम कुक ने कहा, ÷जून तिमाही के लिए, हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन का मूल देश भारत होगा।÷ उन्होंने यह भी बताया कि जहां भारत आईफोन उत्पादन में केंद्रीय भूमिका निभाएगा, वहीं वियतनाम आईपैड, मैक, एप्पल वॉच और एयरपॉड्स के उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभाना जारी रखेगा। यह टिप्पणी भू-राजनीतिक तनावों और व्यापार चुनौतियों के बीच चीनी विनिर्माण पर निर्भरता कम करने के लिए एप्पल के व्यापक प्रयास को प्रतिबिंबित करती है।

टाटा ने एप्पल के इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत की

एप्पल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़ी भूमिका निभाने की टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की महत्वाकांक्षा पिछले वर्ष में तेजी से स्पष्ट हुई है। मार्च 2024 में, समूह ने कर्नाटक के नरसापुरा में स्थित विस्ट्रॉन के भारत परिचालन का अधिग्रहण पूरा कर लिया। इस कदम के बाद 2025 की शुरुआत में टाटा ने पेगाट्रॉन टेक्नोलॉजी इंडिया में 60 प्रतिशत नियंत्रित हिस्सेदारी हासिल कर ली।

इक्सिगो ने किया बड़ा फैसला, अब टर्की जाने के लिए फ्लाइट बुकिंग की रद्द

भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। भारत सरकार के अलावा एहतियात के लिए कई जगह पर अलग अलग नियम लागू किए जा रहे है। वहीं ऑनलाइन सर्विस दिए जाने में भी कई बदलाव किए गए है। इसी बीच इक्सिगो ने ऐसा ऐलान किया है जिसने सभी का ध्यान खींचा है।

इक्सिगो के ग्रुप सीईओ आलोक बाजपेयी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने घोषणा की कि वे अपने ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल पर तुर्की, चीन और अजरबैजान के लिए सभी फ्लाइट और होटल बुकिंग को निलंबित कर रहे हैं। पोस्ट में ग्रुप के सीईओ ने कहा, ÷बस बहुत हो गया! खून और बुकिंग एक साथ नहीं बह सकते।÷

यह भारतीय ट्रैवल कंपनियों, ईजमाईट्रिप और कॉक्स एंड किंग्स द्वारा भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच तुर्की और अजरबैजान के भारत विरोधी रुख के बीच इसी तरह के कदम की घोषणा के कुछ घंटों बाद आया है। बता दें कि ईजमाईट्रिप ने पर्यटकों को इन दोनों देशों की यात्रा केवल तभी करने की ÷दृढ़तापूर्वक सलाह दी÷ जब ÷बिल्कुल आवश्यक हो÷ का सुझाव जारी किया है। वहीं अन्य ट्रैवल कंपनी कॉक्स एंड किंग्स ने अज़रबैजान, उज़्बेकिस्तान और तुर्की के लिए सभी नई यात्रा पेशकशों को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया।

दो दिन पहले, गोवा में लक्जरी अवकाश किराये वाली कंपनी गोवा विलास और वैश्विक स्तर पर कार्यरत भारतीय यात्रा एवं आवास ब्रांड गो होमस्टेज ने सभी तुर्की ग्राहकों के लिए अपनी सेवाएं प्रतिबंधित कर दी थीं। गो होमस्टेज़ ने एक्स से बात करते हुए कहा, %हम भारत के प्रति उनके असहयोगी रुख के कारण तुर्की एयरलाइंस के साथ अपनी साझेदारी आधिकारिक तौर पर समाप्त कर रहे हैं। आगे चलकर, हम अपने अंतरराष्ट्रीय यात्रा पैकेजों में उनकी उड़ानों को शामिल नहीं करेंगे। जय हिंद।÷

गोवा विलास ने भी एक्स पर एक पोस्ट में घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान से जुड़े वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में तुर्की के असहयोगी रुख के कारण, वे गोवा में तुर्की नागरिकों को कोई आवास सेवा प्रदान नहीं करेंगे। तुर्की और अज़रबैजान ने पाकिस्तान के प्रति समर्थन जताया है, भले ही वह भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता रहा हो और पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर हमले के बाद उसकी शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों को भी समर्थन दिया हो।

इण्डो-पाक टेंशनः आकाश डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान की हवा निकाली, कंपनी के शेयर पहुंचे आसमान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और संघर्ष कम होता नहीं दिख रहा है। दोनों देशों के बीच स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी हुई है। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत पर लगातार पाकिस्तान मिसाइल और ड्रोन अटैक कर रहा है। भारत भी

पाकिस्तान के इन हमलों का जवाब दे रहा है। इन हमला को नाकाम करने में स्वदेशी आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम ने भारतीय सेना की मदद की है। स्वदेशी आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के दम पर ही भारत पाकिस्तान को धूल चटा रहा है। पाकिस्तान भी स्वदेशी आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को देखर हैरान है और उसके हमले भी विफल होते जा रहे है। वहीं मिसाइल पाकिस्तान के दांत खट्टे करने के लिए काफी है। इस मिसाइल को बनाने वाली कंपनी भी लगातार गदर मचा रही है। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी मगर कंपनी के शेयर 10 फीसदी बढ़ गए है।

आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली और आकाश हथियार प्रणाली का निर्माण भारतीय कंपनियां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने किया है। पाकिस्तान के हमलों में आकाश मिलाइस ने करारा जवाब दिया है। इसने पाकिस्तान की मिसाइलों और ड्रोन को बुरी तरह से तहस नहस कर दिया है। वहीं कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को इन कंपनियों के शेयर ने मार्केट में धमाका कर दिया। एक तरफ शेयर नीचे गिर रहे थे वहीं दूसरी ओर इस कंपनी के शेयरों ने धमाल मचा दिया।

वहीं बीएसई पर बीडीएल के शेयर कारोबार के दौरान 9.73 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। इसके सेयर का कारोबार 1455 रुपये पर शुरु हुआ था जो कि 1595 पर पहुंच गया था। इन शेयरों ने दमदार रफ्तार पकड़ी थी।

इण्डिया-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध विराम के बाद खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स ने लगाई 1800 की छलांग

मुंबई। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम को लागू करने के बाद सोमवार 12 मई को भारतीय शेयर बाजार खुला है। भारतीय शेयर बाजार जैसे ही सुबह खुला वैसे ही इसमें तेजी देखने को मिली है। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव कम होने पर ये तेजी आई है। इस दौरान सेंसेक्स

1,793.73 अंक बढ़कर 81,248.20 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी 553.25 अंक बढ़कर 24,561.25 पर पहुंच गया। भारत-पाकिस्तान युद्धविराम समझौते के बाद पहली बार शेयर बाजार खुला है। शेयर बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश के बीच हुए हालिया संघर्ष के कारण उत्पन्न प्रतिकूल माहौल के बाद भारतीय बाजार में लचीलापन देखने को मिला है। सीमाओं पर स्थिति स्थिर होने के साथ ही निवेशक शेयरों की ओर लौट आए, जिससे मजबूत निवेश प्रवाह के कारण मजबूत तेजी आई। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने एएनआई को बताया, ÷भारतीय वायदा बाजार में 2 प्रतिशत का तेज उछाल देखने को मिल रहा है, क्योंकि भारत-पाक के बीच गतिरोध के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई क्षेत्र में सक्रिय शत्रुता समाप्त होने से हो गई है। भारतीय बाजारों ने इस उथल-पुथल को अच्छी तरह झेला है और आज इनमें तेजी से सुधार होने की उम्मीद है।

PVR INOX को चौथी तिमाही में 125 करोड़ रूपए का घाटाः रेवेन्यू 1,250 करोड़ रूपए रहा

मुंबई। मल्टीप्लेक्स चेन PVR INOX को 2024-25 की चौथी तिमाही में 125 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का लॉस 130 करोड़ रुपए रह था। यानी सालाना आधार पर कंपनी का लॉस थोड़ा कम हुआ है।

वहीं जनवरी-मार्च तिमाही में PVR का ऑपरेशन से कॉन्सोलिडेटेड रेवेन्यू (आय) सालाना आधार पर 0.52ऋ घटकर 1,250 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 1,256 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

इस साल 27% गिरा PVR INOX का शेयर

मल्टीप्लेक्स चेन PVR INOX का शेयर आज 4% की तेजी के साथ

958 रुपए पर कारोबार कर रहा है। कंपनी का शेयर एक महीने में 1% चढ़ा और पिछले 6 महीने में 35% गिरा है। वहीं एक साल में कंपनी का शेयर 27% गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 9.05 हजार करोड़ रुपए है।

PVR INOX कमाई कैसे करती है?

बॉक्स ऑफिसः मूवी और दूसरे इवेंट की टिकट बेचकर कमाई करना।

फूड एंड बेवरेजः थिएटर में आने वाले लोगों को फूड और बेवरेज बेचना।

ऐडवर्टाइजमेंटः मूवी के शुरू होने से पहले और बीच में ऐड दिखाना।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन का 30% शेयर अब पीवीआर आईनॉक्स के पास है। कुल स्क्रीन में इसकी 18ऋ हिस्सेदारी है। ICICI सिक्योरिटीज के अनुसार, खाने-पीने के सामानों की बिक्री पीवीआर आईनॉक्स के कुल राजस्व में लगभग 30% का योगदान देती है।

1990 के दशक में शुरू हुई थी PV

अजय बिजली ने 26 अप्रैल 1995 में प्रिया विलेज रोड शो लिमिटेड बनाई। इसके कॉमर्शियल ऑपरेशन की शुरुआत जून 1997 में हुई।

अनूपपुर सहित मध्यप्रदेश के 05 जिलो में फिक्स डिपॉजिट एवं लोन दिलाने IDCS INDIA नाम से बैंकिंग कार्यालय खोलकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पुलिस द्वारा पर्दाफाश

- मुख्य आरोपी सी.ई.ओ. एवं ब्रान्च मैनेजर गिरफ्तार

- अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी जानकारी

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के नेतृत्व में अनूपपुर पुलिस द्वारा अनूपपुर सहित मध्यप्रदेश के 05 जिलो डिण्डौरी, मण्डला, बालाघाट एवं इन्दौर में फिक्स डिपाजिट एवं लोन दिलाने IDCS INDIA नाम से बैंकिंग कार्यालय खोलकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है।

अभिजीत सिहं पिता चारधाम सिहं उम्र करीब 32 साल निवासी वार्ड न. 14 पुरानी बस्ती अनूपपुर के द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि तहसील कार्यालय के पास गिरधारीलाल सोनी के किराये के भवन में खोली गई IDCS INDIA नाम की बैकिंग कंपनी के ब्रान्च मैनेजर दीपक उपाध्याय एवं सी.ई.ओ.योगेश श्रीवास के द्वारा सम्पर्क किया जाकर जमा राशि पर 6 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देने का बताया जाकर 03.12.2024 को एक लाख रूपये की फिक्स डिपाजिट कराया जाकर बाण्ड लेटर दिया जाकर धोखाधड़ी की गई है, पिछले तीन माह से कंपनी का आफिस बंद है एवं ब्याज राशि भी मिलना बंद हो चुकी है। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 221/25 धारा 318(4),338,336(3),340(2) 3(5) बी.एन.एस. एवं धारा 6 म.प्र. निक्षेपको के हितो का संरक्षण अधिनियम पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान जी के द्वारा गठित पुलिस टीम द्वारा तत्परता पूर्वक IDCS INDIA के अनूपपुर कार्यालय को सीलबंद कर दिया गया और जिला मण्डला पहुंचकर उक्त कंपनी के मालिक एवं सी.ई.ओ. योगेश श्रीवास पिता कन्हैयालाल श्रीवास उम्र 22 साल निवासी महराजपुर थाना महराजपुर जिला मण्डला एवं ब्रान्च मैनेजर दीपक उपाध्याय पिता चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय उम्र 28 साल निवासी भुआ बिछिया जिला मण्डला को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय से आरोपियों का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त कर पूछताछ कर कार्यवाही की जा रही है।

प्रकरण में गिरफ्तार IDCS INDIA के सी.ई.ओ. योगेश श्रीवास एवं ब्रान्च मैनेजर दीपक उपाध्याय से स्वयं पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के द्वारा बारीकी से पूछताछ की गई आरोपियो द्वारा बताया गया कि 13.10.2023 को योगेश श्रीवास द्वारा financial consultancy personal businesess and home loan support का काम किये जाने हेतु IDCS INDIA नाम से जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन कराया गया एवं कंपनी का पेन नम्बर प्राप्त किया गया, साथ ही Ministro of corporate affairs से रजिस्ट्रेशन कराया गया उक्त कंपनी को केवल वित्तीय परामर्श दिये जाने हेतु खोले जाने की अनुमति प्राप्त की गई थी किन्तु आरोपियो द्वारा निवेशको को IDCS INDIA का स्टेट बैंक आफ मारीसिस से अनुबंधित होने के फर्जी दस्तावेज तैयार कर ऊंची ब्याज दर का लालच देकर फिक्स डिपाजिट कराई गई। योगेश श्रीवास निवासी मण्डला द्वारा सर्वप्रथम डिण्डौरी में इसके उपरांत मण्डला,बालाघाट, अनूपपुर एवं इन्दौर पांच जिलो में विभिन्न स्थानो पर किराये से भवन लिया जाकर अपने आफिस खोले गये। शनिवार की शाम कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा सीलबंद किये गये IDCS INDIA के कार्यालय को खोला जाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किये गये जो गिरधारीलाल सोनी के बिल्डिंग के प्रथम तल में ली गई तलाशी में आरोपियो से एफ.डी. एवं लोन के कई दस्तावेज स्मार्ट फोन,05 लैपटाप, 02 प्रिन्टर, बैंक चेक, स्टेट बैंक आफ मारीसिस के फर्जी तैयार बैकिंग फार्म विभिन्न बिल, स्टेशनरी सामान आदि जप्त किया गया है। अभी तक की विवेचना में आरोपीगण द्वारा 81 निवेशको से कुल 01 करोड़ 51 लाख रूपये की राशि धोखाधड़ी कर अर्जित किये जाने का रिकार्ड पुलिस को प्राप्त हो चुका है। मुख्य आरोपी योगेश श्रीवास के द्वारा निवेशको की गाढी कमाई से प्राप्त धनराशि से 20 लाख रूपये की महंगी लक्जरी कार, साढे तीन लाख रूपये की BMW मोटर सायकल, पांच लाख रूपये के सोने के जेवरात,मण्डला में पचास लाख रूपये का आवासीय प्लाट खरीदे जा चुके है जिन्हे पुलिस द्वारा जप्त किया जा रहा है। साथ ही निवेशको से अर्जित धनराशि से ही अनूपपुर सहित डिण्डौरी, मण्डला, बालाघाट एवं इन्दौर में किराये के कार्यालय में महंगा आफिस सेटअप तैयार करना बताया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियो के सभी एकाउण्ट सीज करा दिये गये है। आरोपियो द्वारा अनूपपुर में अभिजीत सिहं के अलावा डाक्टर रत्ना परस्ते, आकांक्षा पाण्डेय, अजय गुप्ता की लाखो रूपये की एफ.डी. करायी जाकर धोखाधड़ी की गई है। साथ ही योगेश श्रीवास एवं दीपक उपाध्याय ने अनूपपुर निवासी अंकुर बघेल,सूरज चौधरी, नेहा बाग,अजय गुप्ता, प्रदीप तिवारी,रागिनी वर्मा, गोकुल सिहं आदि को धोखे में रखकर IDCS INDIA अनूपपुर ब्रान्च में नौकरी पर लगाया जाकर पिछले कई महीनो से वेतन भी दिये बगैर आफिस बंद अनूपपुर छोड़कर भाग जाना पाया गया।

मकान मालिक के विरूद्ध भी एफ.आई.आर.

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनूपपुर के द्वारा जारी आदेश क्रमांक 957/आरडीएम / कानून व्यवस्था /2025 अनूपपुर दिनांक 19 फरवरी 2025 के द्वारा जिले के समस्त मकान मालिको को किरायेदारो की जानकारी संबंधित निकटत थाना में दिये जाने हेतु आदेशित किया गया है किन्तु गिरधारीलाल सोनी पिता स्व. जियालाल सोनी निवासी कालेज रोड तहसील कार्यालय के पास अनूपपुर के द्वारा अपने मकान में IDCS INDIA नाम की कंपनी को किराये से भवन दिये जाने की जानकारी पुलिस थाना में नहीं दिये जाने पर धारा 223 बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया है।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमानं द्वारा उक्त धोखाधड़ी के आरोपियो की शीघ्र गिरफ्तारी एवं कार्यवाही हेतु टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन,उपनिरीक्षक प्रवीण साहू, प्रधान आरक्षक शिवशंकर प्रजापति, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिहं, आरक्षक प्रकाश तिवारी एवं सायबर सेल से प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवाह आरक्षक पंकज मिश्रा की टीम को पुरूष्कृत करने की घोषणा की गई है।

आपको बताते चलें

यह फर्जी बैंक का सेटअप इतना जबरदस्त था की ऐसा कुछ राष्ट्रीयकृत बैंकों का अनूपपुर जिले में देखने को नहीं मिलता?

अनूपपुर जिला पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के कुशल मार्कनिर्देशन में कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन की टीम ने जबरदस्त कार्यवाही की है, इसके लिए पुलिस अधीक्षक सहित पूरी टीम बधाई की पात्र है।

पुलिस अधीक्षक महोदय से एक आग्रह की जो पूर्व में मकान मालिकों के लिए निर्देश जारी किए गए हैं किराया से (मकान) देने के लिए जो कलेक्टर महोदय ने निर्देश जारी किया था उसको शक्ति से लागू कराया जाए एवं इन दिनों स्मॉल बैंक बाहर से आकर खुल रही है उनकी भी सूक्ष्मता के साथ जांच कराई जाए।

जिससे कि भविष्य में होने वाले धोखाधड़ी से अनूपपुर की जनता बची रहे।

जनजातीय गौरव वर्ष 2025 के अंतर्गत अनूपपुर जिले में "धरती आबा अभियान" एवं "धरती आबा कर्मयोगी" कार्यक्रम का आयोजन होगा

अनूपपुर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव वर्ष 2025 के प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) अंतर्गत अनूपपुर जिले में दो विशेष मिशनों प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (PM JANMAN) एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत व्यापक जनकल्याणकारी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इन अभियानों का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में बहु-क्षेत्रीय नागरिक सेवाओं एवं लाभों की समयबद्ध, प्रभावी और समेकित पहुँच सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में दो प्रमुख कार्यक्रम ''धरती आबा अभियान'' एवं ''धरती आबा अभियान कर्मयोगी'' का क्रियान्वयन आगामी माह से जिले में प्रारंभ किया जा रहा है।

धरती आबा अभियानः जन-जागरूकता एवं सेवा संतृप्ति हेतु सघन शिविर श्रृंखला

जानकारी के अनुसार 15 जून से 30 जून 2025 तक जिले के चिन्हित जनजातीय बहुल ग्रामों एवं दूरवर्ती बस्तियों में विशेष सेवा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में नागरिकों को निम्न सेवाएँ सुलभ कराई जाएंगी। जिनमें आधार पंजीयन एवं अद्यतन, राशन कार्ड निर्गमन, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) कार्ड वितरण, जाति प्रमाण पत्र जारी करना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (PM-KISAN) में नामांकन, जन-धन खाता सुविधा प्राप्त होगा। यह अभियान जिला प्रशासन, सीएससी, विकासखण्ड स्तरीय अधिकारीगण एवं फ्रंटलाइन वर्कर्स के समन्वित प्रयास से संचालित होगा। ग्राम स्तर पर सेवा अंतराल की पहचान, सूक्ष्म कार्ययोजना निर्माण, शिविर कैलेंडर निर्धारण एवं रियल-टाइम निगरानी तंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सिकल सेल दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जैसे अवसरों का उपयोग जन-जागरूकता गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण हेतु किया जाएगा।

धर्ति आभा कर्मयोगीः विभागीय अमले के प्रशिक्षण हेतु नवाचार

कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अंतर्विभागीय समन्वय हेतु जून माह में एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों से नामांकित वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। अनूपपुर जिले से चयनित मुख्य संसाधन व्यक्तियों (Key Resource Persons) को मास्टर ट्रेनर्स के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षित दल राज्य, जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर के कार्मिकों को दक्ष बनाकर अभियान की स्थायित्वपूर्ण सफलता सुनिश्चित करेगा। यह अभियान एकीकृत शासन पद्धति (Whole of Government Approach) पर आधारित है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों और मंत्रालयों के सहयोग से समन्वित सेवा प्रदाय सुनिश्चित की जाएगी। यह पहल न केवल सेवा वितरण में पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि एक समावेशी, न्यायसंगत एवं सशक्त जनजातीय भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने संबंधित विभागों एवं समस्त हितधारकों से कहा है कि अपेक्षा है कि वे इस अभियान की सफलता हेतु सक्रिय सहभागिता एवं प्रशासनिक सहयोग प्रदान करें।

पीएम जनमन योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यो से लाभान्वित होगी जनजातीय आबादी

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना अंतर्गत 26 अप्रैल 2025 की स्थिति में स्वीकृत कार्यों के अनुसार ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 3613 प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास स्वीकृति के विरुद्ध 2360 कार्य पूर्ण हो गए हैं इसी तरह प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत बैगा बसाहट के लिए 121 सड़के प्रस्तावित की गई है जिनकी लंबाई 249.5 किमी है इनमें 7 कार्य पूर्ण 34 प्रगतिरत एवं 17 कार्य प्रारंभ है इसी तरह महिला बाल विकास विभाग के अंतर्गत 7 नवीन आंगनबाड़ी भवन स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 6 कार्य पूर्ण हो गए हैं एक कार्य प्रगतिरत है जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत मल्टीपरपज सेंटर 9 स्वीकृत हुए हैं सभी कार्य वर्तमान में प्रगतिरत है इसी तरह 2 पीवीटीजी हॉस्टल की स्वीकृति प्राप्त हुई है जिसका टेंडर कार्य पूर्ण कर लिया गया है बीएसएनएल अंतर्गत अनूपपुर जिले के 11 बसाहटो में नेटवर्क कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए कार्य स्वीकृत किया गया है जिसके तहत टावर के इंस्टॉलेशन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत पाइप वाटर सप्लाई कार्य के अंतर्गत 57 कार्य स्वीकृत किए गए हैं जिसके अंतर्गत 732 परिवार लाभान्वित होंगे जिनमें से 26 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं 37 कार्य प्रगतिरत है ऊर्जा विभाग के अंतर्गत विद्युत विहीन ग्रामों में विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत जिले के 84 बसाहट को चिन्हित किया गया है जिनमे 1155 परिवार लाभान्वित होंगे जिनमें 68 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं 7 कार्य प्रगतिरत है जिले के 7 बसाहटो में सौर ऊर्जा के कार्य के लिए चिन्हांकित किया गया है जिसमे 302 परिवार लाभान्वित होंगे यह कार्य प्रस्तावित है वन विभाग के अंतर्गत वनधन विकास केंद्र भवन के 8 कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत 4 मोबाइल मेडिकल यूनिट की स्वीकृति दी गई है जिनमें से 2 मेडिकल मोबाइल यूनिट अनूपपुर तथा कोतमा में संचालित है।

अमरकंटक में वैशाख पूर्णिमा पर भक्तों ने नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में वैशाख पूर्णिमा बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर भक्त श्रद्धालुओं ने पुण्य सलिला नर्मदा नदी में आस्था की डुबकी लगाई हजारों की तादाद में भक्तों ने स्नान दर्शन कर पूजन पाठ दर्शन किया।

भक्तों, श्रद्धालुओं तीर्थ यात्रियों के द्वारा सुबह 5 से ही डुबकी लगाने स्नान कर दर्शन पूजन अर्चन का क्रम निरंतर जारी रहा भक्तों, श्रद्धालु गणो ने कोटि तीर्थ कुंड ,गांधी कुंड, रामघाट में लगातार डुबकी लगाते रह । इस अवसर पर नर्मदा मंदिर में बहुत भीड़ थी,श्रद्धालु गणो ने लाइन लगाकर दर्शन किया,लगभग 30- 35 से अधिक भक्त श्रद्धालुओं दर्शनार्थियों ने पवित्र नगरी अमरकंटक पहुंचकर स्नान दर्शन किया घाटों में भारी भीड़ देखी गई । मार्कण्डेय आश्रम में नौ दिनों तक चले रुद्र महायज्ञ एवं नर्मदा महापुराण कथा की आज पूर्णाहुति हो गई इस अवसर पर भक्त श्रद्धालुओं साधु संतों आचार्य ब्राह्मण को पूजन अर्चन कर भोजन प्रसादी भंडारा कराया गया । मार्कंडेय आश्रम में 9 दिनों तक चले रुद्र महायज्ञ एवं नर्मदा महापुराण की कथा व्यासपीठ पंडित रामनरेश शास्त्री के मुखारविंद से भक्तों ने श्रवण किया उक्त धार्मिक आयोजन नर्मदा सेवा समिति मुंगेली एवं कवर्धा छत्तीसगढ़ के भक्ति श्रद्धालुओं के द्वारा किया गया अष्टम दिवस आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णानंद जी महाराज ने मां नर्मदा की महिमा का महत्व बतलाया। इसके साथ ही बाल भगवान आश्रम गोलोक वासी माता कमलाबाई जी के आश्रम में भी 7 दिनों तक चले विष्णु महायज्ञ सावन की पूर्णाहुति रामायण पाठ के साथ संपन्न हो गया इस पावन उपलक्ष पर साधु संतों ब्राह्मणों को भोजन प्रसादी कराया गया। कथा व्यास के रूप में पंडित कमलेश तिवारी ने विष्णु महायज्ञ का कुशल आयोजन संपन्न कराया इसका आयोजन आश्रम के प्रमुख पंडित रोहित लाल त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

रामनगर पुलिस की झीमर बस्ती के जंगल में अवैध शराब बनाने पर छापामार कार्यवाही, 03 आरोपियों पर मामला दर्ज

अनूपपुर। जिले में नशे के विरुद्ध अभियान में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में झीमर बस्ती से सटे जंगल क्षेत्र में लंबे समय से चल रही अवैध शराब निर्माण की शिकायतों पर आज रामनगर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए छापा मारा।

12 मई को मुखबिर की सटीक सूचना पर की गई इस दबिश में पुलिस ने अवैध महुआ लाहन काफ़ी मात्रा में बरामद किया है। कार्यवाही के दौरान 56 प्लास्टिक के डब्बों में करीब 900 किलो महुआ लाहन और 08 लीटर कच्ची शराब जप्त की गई, जिसकी कुल बाजार कीमत लगभग 30,000 रुपए है। इस मामले में तीन अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध कर तीन आरोपियों 1. पिंकू कोरकू, पिता गोपाल कोरकू, उम्र 45 वर्ष, निवासी झीमर 2. ओमप्रकाश उर्फ निरहुआ, निवासी झीमर 3. फूलबाई कोरकू, उम्र 43 वर्ष, निवासी झीमर के विरुद्ध क्रमशः अपराध क्र 113/25, 114/25, 115/25 धारा 34(1) , 34(1)(च) आबकारी एक्ट के तहत पंजीबद्ध किया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में अन्य पुलिस कर्मियों भी शामिल रहे। रामनगर पुलिस की यह कार्यवाही नशे के खिलाफ सतत अभियान का हिस्सा है और ऐसे व्यक्तियों पर आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर सोनी सब के कलाकारों ने पारिवारिक रिश्तों का मनाया जश्न

मुंबई। परिवार हमारे जीवन का पहला आधार होते हैं – प्यार, ताकत और सहारे का पहला स्रोत। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस एक खूबसूरत अवसर है, जब हम इन अनमोल रिश्तों का जश्न मना सकते हैं। इस खास मौके पर सोनी सब के कलाकार – प्रियम्वदा कांत, परिवा प्रणति, सायली सालुंखे और तुलिका पटेल ने अपने असल और पर्दे के परिवार के बारे में दिल खोलकर बात की।

तेनाली रामा में शारदा की भूमिका निभा रही प्रियम्वदा कांत ने कहा, बचपन की कुछ सबसे प्यारी यादें मेरे परिवार के साथ बैठकर वो शो देखने की हैं, जो हमें हँसाते थे, सोचने पर मजबूर करते थे और आपस में बातचीत का जरिया बनते थे। वो पल – जब दादा-दादी से लेकर बच्चे तक सब साथ बैठते थे – मेरे दिल में बस गए हैं। तेनाली रामा के जरिए हमने उसी अनुभव को दोहराने की कोशिश की है – एक ऐसा शो जो पीढ़ियों को जोड़ता है। पर्दे पर रामा और तेनाली रामा परिवार के साथ मेरा रिश्ता बहुत पवित्र और दिल को छू लेने वाला रहा है, जो कई बार मेरे अपने परिवार की तरह लगता है। हम साथ हँसते हैं, एक-दूसरे का सहारा बनते हैं और एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखते हैं। असल जिंदगी में भी मुझे एक ऐसा परिवार मिला है जिसने हमेशा मुझ पर विश्वास किया है। उनके सहयोग ने मुझे हर चुनौती में मजबूत बनाए रखा है – चाहे वो मेरे एपिसोड्स देखना हो, ईमानदार फीडबैक देना हो या बस चुपचाप मेरा साथ देना – वो मेरे जीवन की असली ताकत हैं।

वागले की दुनिया - नई पीढ़ी, नए किस्से में वंदना की भूमिका निभा रही परिवा प्रणति ने कहा, अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर मैं उन दो परिवारों के लिए आभारी महसूस करती हूँ, जिन्होंने मेरी जिंदगी को पूर्ण बनाया है। घर पर, मेरे पति और बेटा मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं – उनके बिना शायद मैं वो नहीं कर पाती जो आज कर रही हूँ। अभिनय एक अनिश्चित और चुनौतीपूर्ण पेशा है, लेकिन उनका विश्वास मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। और फिर है मेरा दूसरा परिवार – वागले की दुनिया के सेट पर। हम इतना वक्त साथ बिताते हैं कि वो सच में मेरा दूसरा घर बन चुका है। सुमित, चिन्मयी, शीहान, भारती जी, अंजन जी – ये सभी ज़मीन से जुड़े, प्यारे लोग हैं। ऐसा लगता है जैसे हम सब एक बड़े संयुक्त परिवार का हिस्सा हों – जहाँ ढेर सारा अपनापन, हँसी और सहयोग हो। मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह इतना स्नेह और समर्थन मिला है। वीर हनुमान में अंजनी की भूमिका निभा रही सायली सालुंखे ने कहा, परिवार ही वो नींव है जहाँ से हमें प्यार, शक्ति और अपनापन मिलता है। भले ही मैं असल जिंदगी में माँ नहीं हूँ, लेकिन अंजनी का किरदार निभाकर मैंने महसूस किया कि पारिवारिक रिश्ते कितने कीमती और शक्तिशाली होते हैं। पर्दे पर हनुमान के साथ मेरा रिश्ता मेरे लिए बहुत ही शुद्ध और वास्तविक है – यह एक ऐसा प्रेम है जो स्वाभाविक रूप से मेरे भीतर बस गया है और इसे मैं सेट के बाहर भी महसूस करती हूँ। उम्बरगाँव में शूटिंग करना, जो मुंबई की भागदौड़ से दूर है, इस अनुभव को और भी खास बनाता है। हमारी पूरी कास्ट और क्रू मेरे लिए अब एक परिवार बन चुकी है। हम साथ खाते हैं, हँसते हैं और एक-दूसरे का सहारा बनते हैं – ठीक जैसे एक सच्चा परिवार। असल जिंदगी में भी मेरा परिवार हमेशा मेरी ताकत रहा है। उनका अडिग प्रेम और समर्थन मुझे हर हाल में ज़मीन से जोड़े रखता है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस हमें याद दिलाता है कि परिवार सिर्फ खून का रिश्ता नहीं होता – वो होते हैं जो हमें बिना शर्त प्यार करते हैं, हमारा साथ देते हैं और हमारे विकास में भागीदार बनते हैं – चाहे हम दुनिया में कहीं भी हों। पुष्पा इम्पॉसिबल में सुशीला की भूमिका निभा रही तुलिका पटेल ने कहा, परिवार वहीं से शुरू होता है जहाँ हमारी पहली कहानियाँ जन्म लेती हैं, जहाँ संस्कार मिलते हैं और जहाँ बिना शर्त प्यार का वास होता है। हमारे शो में जब आप अपने ऑन-स्क्रीन परिवार से इतना मजबूत रिश्ता साझा करते हैं, तो काम करना और भी आनंददायक हो जाता है। पुष्पा इम्पॉसिबल की टीम – जिसमें जयेश मोरे, इंद्राक्षी, दर्शन, मैं और अन्य शामिल हैं – न केवल कैमरे पर, बल्कि असल जीवन में भी एक मजबूत जुड़ाव साझा करते हैं। जब भी हम शूट करते हैं, सेट पर हमेशा हँसी, मस्ती और खुशनुमा माहौल होता है। हमारा सबसे पसंदीदा काम है – इंद्राक्षी पर मज़ेदार, मासूम सी शरारतें करना। वो पूरी टीम की जान हैं और हर बात को हँसी में ले लेती हैं। सच में ऐसा लगता है जैसे हम एक बड़े, खुशहाल परिवार का हिस्सा हैं और मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे इस शो के ज़रिए इतने सच्चे रिश्ते मिले। पुष्पा इम्पॉसिबल की खास बात ये है कि यह सिर्फ एक्टिंग नहीं लगती – हम वास्तव में एक परिवार बन गए हैं। जो प्यार, सम्मान और अपनापन हम आपस में साझा करते हैं, वो हर सीन में झलकता है। इसके साथ ही, मेरा असली परिवार हमेशा मेरा मार्गदर्शक रहा है। उनका प्यार और समर्थन हर कदम पर मेरी रौशनी बना है।

देखिए - पुष्पा इम्पॉसिबल, वागले की दुनिया - नई पीढ़ी, नए किस्से, वीर हनुमान और तेनाली रामा, हर सोमवार से शनिवार, सिर्फ सोनी सब पर

एपिक कमबैक : पौराणिक शो भारत के नए एंटरटेनमेंट पावर हाउस क्यों बन रहे हैं

मुंबई। एक ऐसे दौर में जहाँ तेज-रफ्तार थ्रिलर्स और हाई-बजट ड्रामा का बोलबाला है, वहीं एक विधा ने चुपचाप लेकिन पूरी ताकत के साथ भारतीय मनोरंजन जगत में अपनी जगह फिर से बना ली है – और वह हैं पौराणिक कथाएँ। डेली सोप्स से लेकर ब्लॉकबस्टर फिल्मों और ओटीटी पर बिंज-वर्थी एडैप्टेशन तक, भारत की कहानी सुनाने की भूख अब एक दिव्य पुनरुत्थान का अनुभव कर रही है। आज के कंटेंट लैंडस्केप में कल्चरल नॉस्टैल्जिया, भव्य दृश्य और आध्यात्मिक भावनाएँ शामिल हैं, पौराणिक कथाएँ फिर से केंद्र में आ गई हैं।

सोनी सब जैसे चैनल देवताओं को समर्पित शोज को जीवंत कर रहे हैं – चाहे वह श्रीमद् रामायण हो या इसकी नई पेशकश वीर हनुमान, जो युवा मारुति की कम परिचित यात्रा को केंद्र में रखता है – जिसने आगे चलकर पराक्रमी भगवान हनुमान का रूप लिया। यह एक ऐसी कथा है जो अटूट आस्था, अपार शक्ति और समर्पण से भरे हृदय की कहानी कहती है, और दर्शकों को हिंदू पौराणिक कथाओं के सबसे प्रिय पात्रों में से एक के और करीब ले जाती है।

और ये केवल टीवी तक सीमित नहीं है। भारतीय सिनेमा में भी अब पौराणिक कथाओं से प्रेरित भव्य कहानियों की ओर एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एस.एस. राजामौली की फिल्म आरआरआर ने रामायण जैसे महाकाव्य से प्रेरणा लेते हुए देवतुल्य शक्तियों का आह्वान किया, जबकि रोहित शेट्टी की सिंघम शृंखला में नायक को लगभग दिव्य न्याय के अवतार के रूप में दिखाया गया – जो प्राचीन ग्रंथों के धर्मनिष्ठ पात्रों की याद दिलाते हैं। इस पुनरुत्थान की अगुआई अब निर्देशक नितेश तिवारी की रामायण कर रही है, जिसमें यश, रणबीर कपूर, सनी देओल और साई पल्लवी जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में

हैं, और यह फिल्म दर्शकों में भारी उत्साह पैदा कर रही है।

दरअसल, कहा जा सकता है कि भारतीय पौराणिक कथाओं ने सुपरहीरो की परिकल्पना को बहुत पहले ही जन्म दे दिया था – जब दुनिया को सुपरमैन और बैटमैन का कोई पता नहीं था, तब हनुमान, अर्जुन, और भीष्म जैसे पात्र हमें सच्चे वीरता, निष्ठा और बलिदान का मतलब सिखा रहे थे। ये दिव्य पात्र शक्ति, अटल नैतिक मूल्यों और धर्म की रक्षा के प्रति समर्पण के प्रतीक हैं। वीर हनुमान इस कालातीत आकर्षण को बहुत सुंदर तरीके से प्रस्तुत करता है – यह सिर्फ विजुअल इम्पैक्ट नहीं, बल्कि जीवन के अहम सबक भी देता है – जैसे कि धैर्य, विनम्रता, भक्ति और साहस – जो आज की तेजी से बदलती दुनिया में और भी ज़्यादा मायने रखते हैं।

ऐसे समय में जब दर्शक केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि उसमें अर्थ भी खोजते हैं, पौराणिक कथाएँ आधुनिक युग के लिए शाश्वत मूल्यों का आदर्श मिश्रण बनकर सामने आ रही हैं। सोनी सब न केवल इन महागाथाओं को जीवित रखे हुए है, बल्कि उन्हें एक नई पीढ़ी के लिए सुलभ, प्रासंगिक और प्रेरणादायक भी बना रहा है।

कई भारतीयों के लिए, पौराणिक कथाएँ बचपन की यादों का हिस्सा हैं – दादा-दादी से सुनी कहानियाँ या अमर चित्र कथा जैसी कॉमिक्स में पढ़ी गई कथाएँ। वीर हनुमान जैसे शो उन यादों को परदे पर जीवंत कर देते हैं – शानदार दृश्यों, भावनाओं और ड्रामा के साथ। आज देश भर में परिवार एक साथ बैठकर ऐसे शोज़ देखते हैं – बच्चे हनुमान की वीरता से रोमांचित होते हैं, तो बुज़ुर्ग परिचित कथाओं का आनंद लेते हैं। यह उन चुनिंदा विधाओं में से है जो विभिन्न पीढ़ियों को एक छत के नीचे लाती है, यह साबित करते हुए कि पौराणिक कथाएँ सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव हैं।

वीर हनुमान देखना न भूलें – हर सोमवार से शनिवार, रात 7:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर

मृतक के परिजनों ने हाईवे पर लगाया जाम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दो पक्षों के बीच मारपीट में जख्मी हुए युवक की इलाज के दौरान मौत होने के बाद शव को लेकर परिजन एसपी ऑफिस पहुंचें। उन्होंने शव को एनएच-44 हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया। उनके द्वारा मारपीट करने वालों के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज कर गिरफ्तार किए जाने की मांग की जा रही थी। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर हंगामें को शांत कराया।

मिली जानकारी के मुताबिक सिविल लाईन थाना क्षेत्र के ग्राम महाराजपुर में सड़क पर खूंटा गाढ़ने को लेकर हुए विवाद में विगत 17 अप्रैल 2025 को रिंकू यादव, राजवीर यादव सहित अन्य ने रिंकू बघेल 24 पुत्र कैलाशी बघेल की लाठी, फरसा से मारपीट कर डाली थी। हमले में रिंकू बुरी तरह जख्मी हो गया था। उसे ग्वालियर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान 12 मई को रिंकू की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजन रिंकू के शव को लेकर मुरैना पहुंचें। उन्होंने शव को एसपी ऑफिस के सामने एनएच-44 हाईवे पर रखकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। जिससे हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। गुस्साए लोगों द्वारा मारपीट करने वालों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार किए जाने, आरोपी और उसके परिवारीजनों के शस्त्र लाईसेंस निलंबित किए जाने सहित अन्य मांगें की जा रही थीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद मौके पर पहुंचें पुलिस अधिकारियों ने गुस्साए लोगों को समझा-बुझाकर हंगामा शांत कराया। जिसके बाद हाईवे पर चक्काजाम खुला और वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकी।

हार्वेस्टर से गिरकर जख्मी हुए युवक की मौत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। बागचीनी थाना क्षेत्र में 11 मई को ग्राम ठेह में सत्यवीर के खेत में फसल की कटाई का काम कर रहे हार्वेस्टर से राकेश धानुक पुत्र ओमप्रकाश धानुक नि. मुकुंदपुर जिला लखीमपुर खीरी उत्तरप्रदेश गिर गया था। जख्मी हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

नवयुवती फांसी पर झूली, मर्ग कायम

मुरैना। सिविल लाईन थाना क्षेत्र के अंतर्गत प्रेमनगर में रहने वाली नवयुवती अंकिता जाटव 21 पुत्री जगदीश जाटव ने 11 मई को अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

औरेठी गांव में दो दुकानों में आग लगी, 2 लाख का नुकसान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। तहसील पोरसा के अंतर्गत नगरा थाना क्षेत्र के ग्राम औरेठी में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात को दो किराना-जनरल स्टोर की दुकानों में आग लग गई। अग्निकांड में 2 लाख रूपये का नुकसान होने का अनुमान है।

मिली जानकारी के मुताबिक रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात करीब 11 बजे औरेठी गांव में ग्रामीणों ने रामनरेश कुशवाह की किराना स्टोर की दुकान से आग की लपटें उठती हुई देखीं, ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कीं और रामनरेश को सूचना दी। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। जिसके बाद आग ने बगल में स्थित व्यासानंद कुशवाह की जनरल एवं किराना स्टोर की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दोनों दुकानों में रखा सामान जलकर नष्ट हो चुका था। अग्निकांड में दो लाख रूपये से अधिक का नुकसान होना बताया जा रहा है।

जैन उपरोंचिया परिषद की वार्षिक तीर्थयात्रा की घोषणा की गई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। श्री दिगंबर जैसवाल जैन उपरोंचिया परिषद दिल्ली एनसीआर की वार्षिक तीर्थ यात्रा की घोषणा 11 मई को श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र सिहोनिया पर की गई। यह घोषणा आचार्य 108 श्री वसुनंदी जी मुनिराज के आशीर्वाद से हुई। 108 मुनि श्री शिवानंद जी मुनिराज और श्री प्रशमानंद जी मुनिराज के पावन मुख से यह घोषणा समाज के समक्ष रखी गई।

परिषद अध्यक्ष सुनील जैन ने यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष श्रद्धालु भगवान श्री नेमीनाथ जी की निर्वाण स्थली गिरनारजी, पावागढ़जी, पालीताणाजी और सोमनाथ जैसे पावन तीर्थों का दर्शन करेंगे। इस यात्रा से श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। घोषणा कार्यक्रम में समाज के कई प्रतिष्ठित सदस्य शामिल हुए। इनमें सजल जैन (महक परिवार), जिनेश जैन (अम्बाह), विपुल जैन (अम्बाह), विनय कुमार जैन (नोएडा), अशोक कुमार जैन (वर्धमान जनरेटर) सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। परिषद प्रवक्ता ऋषभ जैन ने बताया कि यह तीर्थ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उनके श्रद्धा, सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रतीक बनेगी।

श्री महावीरजी में होगा जैसवाल जैन धर्मशाला का निर्माण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। जैन तीर्थ क्षेत्र श्री महावीरजी में अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैसवाल जैन धर्मशाला के 'सी-ब्लॉक' के भव्य शिलान्यास समारोह का आयोजन अपार श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस ऐतिहासिक एवं पुण्य अवसर पर देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे समाज के प्रमुख श्रेष्ठियों और गणमान्य अतिथियों ने समारोह को गरिमा प्रदान की। भूमिपूजन एवं शिलान्यास का पावन कार्य समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों गणेशी लाल, सुरेश कुमार, राजकुमार, योगेश कुमार एवं सजल जैन (महक परिवार, दिल्ली) के करकमलों से विधि विधानपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्रोच्चार, मंगलाचरण और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक और भक्तिमय हो गया।

समाज की एकजुटता और सहभागिता रही उल्लेखनीय

इस कार्यक्रम में दिल्ली, आगरा, मुरैना, अम्बाह, शमशाबाद सहित अनेक स्थानों से आए जैसवाल जैन समाज के वरिष्ठजनों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को भव्यता प्रदान की। सभी ने धर्मशाला के विस्तार के इस प्रयास में तन-मन-धन से सहयोग देने का संकल्प लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए समिति प्रमुख सुनील जैन 'मोना जनरेटर' ने कहा कि -यह धर्मशाला न केवल एक भौतिक संरचना है, बल्कि समाज की सेवा, संस्कृति और श्रद्धा का केंद्र बन रही है। 'सी-ब्लॉक' के निर्माण से तीर्थयात्रियों को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और श्री महावीरजी क्षेत्र में जैसवाल समाज की अलग पहचान बनेगी।

महक परिवार के सजल जैन ने कहा कि इस आयोजन ने यह स्पष्ट किया कि समाज जब संगठित होता है, तो वह न केवल धार्मिक धरोहरों को संजोता है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी खड़ा करता है। इस शिलान्यास समारोह के माध्यम से सद्भाव, एकता और धार्मिक विकास का संदेश समाज में फैलाया गया है। कार्यक्रम के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी एवं सामूहिक भोजन का भी सुंदर आयोजन किया गया। उपस्थित जनसमूह ने धर्मशाला निर्माण में योगदान देने वालों का अभिनंदन करते हुए इस पुण्य कार्य को ऐतिहासिक बताया। जिनेश जैन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अम्बाह ने कहा कि भविष्य में यह धर्मशाला समाजजनों के लिए एक ऐसा केंद्र बनेगी, जहां सेवा, सुविधा और संस्कार एक साथ मिलेंगे। यह आयोजन न केवल भवन निर्माण का आरंभ था, बल्कि समाज की दृढ़ इच्छाशक्ति और संगठित प्रयासों का सशक्त प्रमाण भी रहा है।

भारत विकास परिषद व जैन इंटरनेशनल स्कूल के तत्वाधान में हो रहा है बाल संस्कार शिविर का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत विकास परिषद शाखा एवं जैन इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वधान में 10 मई से 25 मई तक 15 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन जा रहा है। तृतीय दिवस सर्वप्रथम गीता अध्ययन, योग, व्यायाम, राष्ट्रीय गीत, वक्तव्य, ताइकांडो, आर्ट एंड क्राफ्ट, संगीत गायन, नृत्य का अभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम का संचालक आसाराम प्रजापति के द्वारा किया गया। शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुरैना के जिला प्रचारक रितेश के द्वारा बच्चों को गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादे की गौरव गाथा पर उद्बोधन रहा। इस बाल संस्कार शिविर में विजिट अतिथि जितेंद्र सिंह कुशवाहा डीएसपी, अशोक सिंह भदौरिया सिंह ऑइल्स, डीएसपी जितेंद्र जी द्वारा बच्चों को मोबाइल का सही उपयोग करना और हमेश सत्य बोलने को कहा। कहा कि एक सत्य को छुपाने के लिए कई झूठ बोलना पड़ता है। इस सत्र में अध्यक्ष श्रीमती अर्चना शर्मा, सचिव श्रीमती रजनी गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती वीणा मोदी, श्रीमती अंजू त्रिवेदी, संस्कार प्रमुख गौरव मोदी, सौरव अग्रवाल, पवन शर्मा, नीरज मोदी, आनंद त्रिवेदी, मनीष कंसाना, ओम मोदानी अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सिविल डिफेंस प्लान को लेकर एसडीएम ने एनसीसी जन अभियान नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों की ली बैठक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। कलेक्टर अंकित अस्थाना द्वारा सिविल डिफेंस प्लान पर तैयारी करने के दिए गए निर्देश पालन करते हुए अनुविभागीय अधिकारी प्रदीप सिंह तोमर ने एसडीओपी नितिन बघेल के साथ एनसीसी जन अभियान परिषद नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश हिदायत दी गई। रविवार को अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक में इमरजेंसी के दौरान आवश्यकता पड़ने पर क्या करना चाहिए इसको लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। बैठक में प्रत्येक ग्राम पंचायत से सिविल डिफेंस को लेकर दो-दो सिविल डिफेंस वॉलिंटियर की सूची तैयार की जाए के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड से पांच-पांच वॉलिंटियर बनाए जाने के लिए प्लानिंग की गई। बैठक में एसडीएम श्री तोमर ने यह भी कहा कि वेबसाइट पर भी वॉलंटियर के पंजीकरण के लिए फॉर्म भी भरवाने हैं। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को यह भी बताया गया कि ब्लैक आउट वॉलंटियर के नाम सिविल डिफेंस वॉलंटियर से अलग है। बैठक में उपस्थित सीएमओ से कहा गया कि अग्निशमन टैंकर फायर ब्रिगेड भी हर समय चालू हालत में रखे जाएं, स्वास्थ्य विभाग का अमला सेवा देने के लिए 24 घंटे पूरी तरह मुझे तरह अस्पतालों में दवाइयां उपचार सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता रहे, आपात स्थिति में पेयजल की पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध रहे एवं विद्युत की आपूर्ति भी सुनिश्चित रूप से रहे। एसडीओपी नितिन बघेल ने भी नियमित रूप से पोर्टल एवं लॉज धर्मशाला की चेकिंग की बात कही, वहीं एसडीएम ने सोशल मीडिया पर पूर्ण निगरानी रखने तथा देश के विरुद्ध भड़काऊ पोस्ट अथवा सामग्री पर तुरंत कानूनी कार्यवाही करने की बात भी कही। यह भी कहा कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी अधिकारी व कर्मचारी के अवकाश पर प्रतिबंध रहेगा। सभी अधिकारी व कर्मचारी मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से रहें। बैठक में नगर निरीक्षक उदयभान सिंह यादव, सीईओ कुलदीप श्रीवास्तव सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

एक ही स्थान पर वर्षों से जमे हैं अनेक शासकीय कर्मचारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। मध्य प्रदेश शासन द्वारा शासकीय कार्यालय में अधिकारियों व कर्मचारियों के एक ही स्थान पर 3 साल से अधिक नहीं रहने का नियम बनाया है, लेकिन जौरा के कई शासकीय कार्यालय में ऐसे भी कर्मचारी व अधिकारी नौकरी कर रहे हैं जो लगभग 10 से 15 साल से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि जब-जब चुनाव आते हैं तब भी उनके नाम शासन एवं निर्वाचन आयोग को जाते हैं, लेकिन अपनी सेटिंग और पहुंच कर चलते कई अधिकारी व कर्मचारी एक ही कार्यालय में वर्षों से जमे हुए हैं। राजस्व विभाग को ही ले लीजिए, यहां संचालित एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय, नायब तहसील कार्यालय में कई कर्मचारी ऐसे हैं जो शासन के 3 साल के आदेश को ताक पर रखकर 10 वर्ष से लेकर 15 साल से नौकरी कर रहे हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण विभाग शासकीय स्नातक महाविद्यालय के तो खेल ही अलग है, इसमें पदस्थ प्रभारी प्राचार्य लगभग 25 साल की नौकरी कर चुके हैं। स्थानीय निवासी भी हैं। अक्सर अपनी नियम विरुद्ध कार्यशैली के चलते चर्चाओं में भी रहते हैं। महाविद्यालय में इन दिनों परीक्षाएं भी चल रही हैं, परीक्षाओं में नकल पर सख्ती करने के शासन व प्रशासन कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद जौरा के शासकीय महाविद्यालय में धड़ल्ले के साथ नकल का खेल जारी है। अपर तहसीलदार द्वारा लगभग प्रतिदिन ही नकल पकड़ी भी जा रही है, वहीं प्रभारी प्राचार्य श्रीमती वसुंधरा गोयल 25 साल से एक ही स्थान पर कैसे नौकरी कर रही हैं ? यह शासन व प्रशासन के बड़े-बड़े अधिकारी ही बता सकते हैं। नगर पालिका कार्यालय में भी कई कर्मचारी वर्षों से नौकरी कर रहे हैं। कोई कर्मचारी 10 साल से पदस्थ है तो कोई 20 साल से पदस्थ है। इन पर 3 साल का नियम लागू क्यों नहीं है? यह नगरी निकाय की जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारी बता सकते हैं। जनपद पंचायत कार्यालय में भी कुछ कर्मचारी वर्षों से जमे हुए हैं। इसी प्रकार शिक्षा विभाग के भी हाल इसी प्रकार के हैं। शिक्षा विभाग के कार्यालय में भी वर्षों से कर्मचारी एक ही कार्यालय में नौकरी कर रहे हैं।

नगर की साफ-सफाई, स्वच्छता अभियान को लेकर अध्यक्ष ने ली आपात बैठक

स्वच्छता अभियान में लापरवाही बरतने पर होगी सख्त कार्यवाही

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी की अध्यक्षता में एक आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीरेंद्र सिंह रावत, स्वच्छता निरीक्षक दिनेश शर्मा सहित समस्त सफाई दरोगा एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष श्री माहेश्वरी ने स्वच्छता के प्रति गंभीर रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर के किसी भी गली-मोहल्ले अथवा कालोनी में गंदगी का दृश्य नहीं दिखाई देना चाहिए। बरसात भी आने वाली है, इसलिए सभी तरह के समुचित प्रबंध करने हेतु मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षाजल से कहीं भी नाले-नालियों तथा गलियों में जलभराव की स्थिति नहीं बनना चाहिए। क्योंकि जलभराव से संक्रमण फैलने की आशंकाएं सदैव बनी रहती हैं। इसलिए नाले-नालियों की नियमित एवं समुचित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि नगरवासियों के स्वास्थ्य और सम्मान का विषय है। इसे प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक कर्मचारी को अपने दायित्व का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करना अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई भी कर्मचारी अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाह अथवा उदासीन पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। श्री माहेश्वरी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि लापरवाही बरतने वालों के प्रति कोई भी नरमी न बरती जाए।

नरसिंह भगवान की जयंती भक्ति भाव के साथ मनाई गई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर के एकमात्र नरसिंह भगवान के मंदिर में भगवान नरसी की जयंती को भक्तगणों द्वारा भक्ति भाव के साथ मनाई गई। नगर के श्री कृष्ण मंदिर रोड पर स्थित नरसिंह भगवान की जयंती के अवसर पर सोमवार को प्रातः से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ भगवान नरसिंह की पूजा अर्चना कर भक्ति में लीन देखे गए। भक्तगणों द्वारा आरती में शामिल होकर धर्म लाभ भी प्राप्त किया एवं प्रसाद भी वितरित किया गया।

लायसेंसी शस्त्र का दुरूपयोग कर अपराध कारित करने वाले दो लोगों के लायसेंस निलंबित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लायसेंसशुदा शस्त्र संबंधित लायसेंसधारियों को आत्मरक्षा की दृष्टि से सशर्त प्रदाय किए जाते हैं, किन्तु निम्नानुसार सूची में वर्णित लायसेंसधारियों द्वारा स्वयं को प्रदाय किए गए लायसेंसशुदा शस्त्र का दुरूपयोग कर आपराधिक कृत्य कारित किए गए अथवा भविष्य में भी गंभीर घटनाएं कारित कर सकते हैं।उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ(भापुसे) द्वारा उक्त लायसेंसधारियों के शस्त्र निलंबन संबंधी प्रस्ताव / प्रतिवेदन कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मुरैना की ओर प्रेषित किए गए, जिस पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जिला मुरैना द्वारा सहमति व्यक्त करते हुए उक्त सूची में वर्णित लायसेंसधारियों के विरूद्ध आपराधिक प्रवृत्ति के प्रकरण दर्ज होने एवं भविष्य में उक्त लायसेंसधारियों द्वारा कभी भी अपने शस्त्र का दुरूपयोग किए जाने की संभावना को मद्देनजर रखते हुए लोकहित एवं जनसुरक्षा की दृष्टि से निम्नानुसार सूची में वर्णित 02 लायसेंसधारियों के शस्त्र निलंबन संबंधी आदेश जारी किया गया है। जिनके शस्त्र लायसेंस निलंबित किए गए हैं, उनमें राजपाल सिंह पुत्र रामदयाल सिंह निवासी- ग्राम रंछोरपुरा थाना चिन्नौनी, ध्रुव सिंह यादव पुत्र हाकिम सिंह यादव निवासी- ग्राम चेतापुरा थाना कैलारस शामिल हैं।

मातृ दिवस पर किया महिलाओं का सम्मान

मुरैना/अम्बाह। मातृ दिवस पर माथुर वैश्य ग्लोबल अम्बरीष महिला क्लब ने माताओं और महिलाओं के सम्मान में भावपूर्ण कार्यक्रम किया। क्लब अध्यक्ष ममता गुप्ता के नेतृत्व में हुए आयोजन में समाज की कई महिलाओं को सम्मानित किया गया। उन्हें पुष्पगुच्छ, उपहार और सम्मान पत्र भेंट किए गए।

वक्ताओं ने कहा, माँ परिवार की रीढ़ होती है। वह समाज की संस्कृति और संस्कारों की संवाहक भी होती है।क्लब की इस पहल को समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मान देने की दिशा में सराहनीय कदम बताया गया। क्लब की ओर से संदेश दिया गया कि ऐसी प्रेरणादायी गतिविधियों से नारी सम्मान और जागरूकता को और मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम में पूजा गुप्ता, अनीता गुप्ता, सीमा, रेखा, अंगूरी, साधना, सुनीता, मुन्नी और मालती सहित कई महिलाएं शामिल हुईं।

टीएल बैठक आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में टीएल बैठक 13 मई को अपराह्न 3 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित होगी। बैठक में समस्त अधिकारी समय पर उपस्थित होना

खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का दतिया स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये गाड़ी संख्या 22469/22470 खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का दतिया रेलवे स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या एवं गाड़ी का नाम	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी	
				प्रारंभिक स्टेशन से	दतिया स्टेशन पर ठहराव
22469 खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्स. (सोमवार को छोड़कर)	दतिया (DAA)	18:42	18:44	खजुराहो स्टेशन से 13.05.25	13.05.25
22470 हज़रत निज़ामुद्दीन-खजुराहो वन्दे भारत एक्स. (सोमवार को छोड़कर)		09:59	10:01	हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से 13.05.25	13.05.25

गाड़ी संख्या 22469/22470 खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का दतिया रेलवे स्टेशन पर ठहराव के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निम्न स्टेशनों पर आगमन/प्रस्थान के समय में निम्नानुसार संशोधन किया गया हैः-

गाड़ी संख्या	स्टेशन	वर्तमान समय	संशोधित समय
22469	ग्वालियर	19:25-19:30	19:28-19:33
22470	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	10:25-10:30	10:30-10:35
	टीकमगढ़	12:21-12:23	12:21-12:23
11902	दतिया	09:47-09:49	09:47-09:49
	करारी	10:17-10:18	10:13-10:14

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 820/25(A)

साधु, संत और श्रद्धालुओं की आस्था को सर्वोपरि रख करें सिंहस्थ 2028 के सभी कार्यः मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने की उज्जैन में सिंहस्थ के कार्यों समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 2028 की तैयारी में साधु-संत और श्रद्धालुओं की भावनाओं को सर्वोपरि रखकर कार्य योजना को पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ - 2028 के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन कलेक्टर कार्यालय सभागृह में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्य योजना की जानकारी लेकर कहा कि सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता और मापदंडों के अनुसार हो। सभी कार्यों में निर्माण एजेंसियां समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे श्रद्धालुओं को सिंहस्थ-2028 का अनुभव आस्थामय, भव्य और अलौकिक हो। सिंहस्थ निर्माण कार्यों में शहर के आसपास सड़कों का जाल बिछाकर यातायात सुगम किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र की कनेक्टविटी 4 लेन और 6 लेन मार्गों से की जा रही है। सिंहस्थ-2028 के लिए किए जा रहे आवश्यक मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में सभी गणमान्य नागरिकों का भी विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करें। आवश्यक मार्गों पर एलिवेटेड ब्रिज बनाए जाएंगे जिससे नीचे व्यापार प्रभावित ना हो और ट्रैफिक भी सुचारू रूप से चल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सभी सिंहस्थ कार्यों की मॉनिटरिंग आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल कर करें, जिससे कार्य की भौतिक प्रगति के साथ कार्य की गुणवत्ता का आंकलन भी हो सके। सिंहस्थ-2028 अंतर्गत रेलवे से समन्वय बनाकर शासन के सभी आवश्यक विभाग इंटीग्रेटेड कार्य योजना बनाए, जिससे श्रद्धालुओं का आवागमन सुव्यवस्थित रूप से हो सके। उन्होंने केंद्रीय मदद की आवश्यकता होने पर केन्द्र सरकार संबंधित सभी महत्वपूर्ण कार्यों की सूची बनाने के निर्देश दिए।

श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने मेडिकल टूरिज्म हब बनाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए मेले में आर्मी भी मौजूद रहेगी। सभी मुख्य देव-स्थानों को जल्द ही देवलोक के रूप में विकसित करने की कार्य योजना बनाए। उज्जैन में न्यायपालिका द्वारा भी न्यायिक संस्था शुरू की जाएगी। उन्होंने इसके लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज निर्माण की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रध्दालुओं को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए जिले को मेडिकल टूरिज्म का हब बनाने के लिए योगा, वेलनेस, नेचुरोपैथी, एलोपैथी और आयुर्वेद के केंद्रों के साथ मेडिकल डिवाइस उद्योग, फार्मा कंपनियों और मेडिकल रिसर्च संस्थाओं को साथ लेकर एकीकृत कार्ययोजना तैयार करें। नगर निगम और अन्य संस्थाएं भी अपने मद से किए जाने वाले शहर के कार्य निरंतर करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मालवा क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

बैठक में संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, सिंहस्थ मेंला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जानकारी दी कि सिंहस्थ कार्ययोजना में अब तक 153 कार्य स्वीकृत व प्रगतिरत है, जिनकी लागत 23,332 करोड़ रुपए है, जिसमें सिंहस्थ मद से 3,728 करोड़ के 78 कार्य और विभागीय मद से 19,604 करोड़ के कार्य है। अब तक 27 कार्य प्रारंभ हो चुके है, 94 कार्य निविदा प्रक्रियाधीन है और 32 कार्य प्रशासकीय स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। उक्त कार्यों में भवन विकास निगम द्वारा मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज का निर्माण 592.3 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। अब तक 4.5 प्रतिशत भौतिक कार्य पूर्ण हो चुका है।

हम सब सतर्क रहकर सजग प्रहरी की भूमिका निभाएँः कलेक्टर श्रीमती चौहान

- आंतरिक सुरक्षा की मजबूती में सिविल सोसायटी का योगदान जरूरीः एसएसपी धर्मवीर

- नागरिक सुरक्षा को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

ग्वालियर। आपात आपदा की स्थिति में कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी हैं, सायरन बजने पर क्या करना है, मौके पर उपलब्ध संसाधनों से घायलों की कैसे मदद करनी है, रासायनिक व जैविक हमलों से कैसे बचना है। आपात स्थिति निर्मित होने पर अपनाई जाने वाली सावधानियां एवं जरूरतमंदों तक मदद पहुँचाने से संबंधित तमाम बारीकियां सिखाई गईं। यहाँ बात हो रही है जिला प्रशासन की पहल पर नागरिक सुरक्षा को लेकर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह व निगम आयुक्त संघ प्रिय की मौजूदगी में आयोजित हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसडीआरएफकी टीम ने जीवंत प्रदर्शन कर आपदा के समय लोगों को बचाने के उपाय समझाए। साथ ही वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से नागरिक सुरक्षा व सावधानियों से संबंधित जानकारी दी गई। रासायनिक व जैविक हमलों से बचाव पर प्रजेंटेशन भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इस अवसर पर आह्वान किया कि हम सब संयमित पर सतर्क रहकर सजग प्रहरी की भूमिका निभाएँ, जिससे आपात स्थिति आने पर हम अपने शहर, प्रदेश व देश की सुरक्षा व मजबूती में योगदान दे सकें। उन्होंने जानकारी दी कि जिला प्रशासन, पुलिस व नगर निगम ने मिलकर आपात स्थिति के मद्देनजर व्यापक तैयारियां की हैं। वायुसेना के साथ तत्काल कम्युनिकेशन चौनल तैयार किया गया है। आपात स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर लोगों को जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवायें मुहैया कराने के लिये शहर को चार हिस्सों में बांटकर बारीकी से अस्पतालों एवं वहाँ उपलब्ध संसाधनों की बारीकी से मैपिंग कर ली गई है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर लोगों को आश्रय स्थल (शेल्टर) भी चिन्हित कर लिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शहर की हर कॉलोनी व बसाहट में लोगों को सतर्क करने के लिये ब्लैकआउट वार्डन भी नियुक्त किए जा रहे हैं जो अपने-अपने क्षेत्र में सायरन बजने पर घरों की लाइट बंद करने इत्यादि के लिये लोगों को सतर्क करने में मदद करेंगे। इसी तरह शासन के निर्देशों के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को सिविल डिफेंस वॉलेन्टियर बनाया जायेगा। इसमें खासतौर पर एनसीसी, स्काउट, गाइड, सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम कर चुके लोगों को प्राथमिकता दी जोयगी। इन सभी को एसडीआरएफके माध्यम से प्रशिक्षण भी दिलाया जायेगा।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने कहा कि आंतरिक सुरक्षा की मजबूती में सिविल सोसायटी की जागरूकता व योगदान जरूरी है। आंतरिक सुरक्षा की मजबूती देश की सीमा पर तैनात जवानों का मनोबल बढ़ाती है। इसलिए सिविल सोसायटी नागरिक सुरक्षा में सहयोग के लिये आगे आए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं आंतरिक सुरक्षा को क्षति पहुँचाने के लिये राष्ट्र विरोधी गतिविधियां दिखाई दें तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस व जिला प्रशासन को दी जाए। एसडीआरएफके जवानों ने नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण के दौरान स्ट्रेचर बनाने, घायलों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के विभिन्न तरीके एवं प्राथमिक चिकित्सा देने की विधियों का व्यवहारिक व जीवंत प्रदर्शन करके दिखाया। प्रशिक्षण के दौरान खासतौर पर बताया गया कि ब्लैक आउट का सायरन बजते ही घरों की बत्तियाँ बंद कर दें। साथ ही दरवाजों व खिड़कियों के पर्दे डाल दें। प्रयास ऐसे हों कि जरा सी भी रोशनी घर के बाहर नहीं दिखनी चाहिए। कार्यक्रम में विधायक साहब सिंह गुर्जर, विनोद शर्मा व विजय जैन, अपर जिला दण्डाधिकारी टीएन सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी व एसडीएम एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने नागरिक सुरक्षा से संबंधित बारीकियां सीखीं। कार्यक्रम में संत कृपाल सिंह मौजूद थे। संचालन एसबी ओझा ने किया।

ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी कि जिले में वर्तमान परिस्थिति को ध्यान में रखकर राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत ड्रोन उड़ाने पर पूर्णतरू प्रतिबंध लगाया गया है। इसलिये कोई भी ड्रोन न उड़ाए अन्यथा कार्रवाई की जायेगी। विशेष परिस्थिति में पुलिस के माध्यम से विधिवत अनुमति लेनी होगी। बगैर अनुमति के कदापि ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे।

चंबल से पानी लाने की योजना का कार्य समयसीमा में पूर्ण करें: निगम आयुक्त

ग्वालियर। चंबल से पानी लाने की योजना का कार्य समयसीमा में पूर्ण करें तथा जिन कार्यों के लिए अनुमति, एनओसी अथवा सर्वे करना है तो उसके लिए प्रक्रिया पूर्ण करें तथा जहां भी आवश्यक हो पत्र लिखें। यह बात सोमवार को निगम आयुक्त संघ प्रिय ने चंबल से पानी लाने की योजना में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते कही। इसके साथ ही उन्होंने सभी 66 वार्ड में सीवर संधारण कार्य के लिए टेंडर आमंत्रित किए जाने हेतु कार्य की समीक्षा भी की। समीक्षा बैठक के दौरान सहायक यंत्री एवं नोडल अधिकारी सुश्री शालिनी सिंह ने चंबल से पानी लाने की योजना पर किए जा रहे कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी दी। जिसमें पाइप लाइन डालने के कार्य के बारे में जानकारी दी गई। जिस पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने निर्देश दिए कि कार्य समयसीमा में पूर्ण करें तथा जिन कार्यों के लिए अनुमति, एनओ सी अथवा सर्वे करना है तो उसके लिए प्रक्रिया पूर्ण करें तथा जहां भी आवश्यक हो पत्र लिखें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके द्वारा इसकी अब साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही निगमायुक्त संघ प्रिय ने सीवर संधारण कार्य हेतु किए जाने वाले टेंडर एवं उनकी शर्तों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शर्तें सरल हो जिससे वेंडर आसानी से पार्टिसिपेट कर सके और यह भी सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार से सीवर संधारण के कार्य में कोई लापरवाही ना हो। निगमायुक्त ने निर्देश दिए की शीघ्र टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए जिससे बारिश के समय सीवर की समस्या का सामना न करना पड़े। बैठक में अपर आयुक्त विजय राज, कार्यपालन यंत्री संजीव गुप्ता, आरके शुक्ला, उपायुक्त एपीएस भदौरिया, रजनीश गुप्ता उपस्थित थे।

बार अध्यक्ष ने पत्र में पूछा कौन करा रहा है निर्माण, पीडब्ल्यूडी ने किया किनारा

ग्वालियर। हाईकोर्ट परिसर में डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने का विवाद गहराता जा रहा है। प्रतिमा के लिये बेस का स्ट्रक्चर बन चुका है। पीडब्ल्यूडी के चीफइंजीनियर एसएल सूर्यवंशी का कहना है कि निर्माण कार्य जनसहयोग से किया जा रहा है। इससे अधिक उनको कोई जानकारी नहीं है। हाईकोर्ट बार अध्यक्ष पवन पाठक का कहना है कि प्रतिमा लगाने का उनके द्वारा विरोध नहीं किया जा रहा है। इसके लिये जो तरीका व प्रक्रिया अपनाई जा रही है उसका विरोध किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार प्रतिमाओं का लगाया जाना बंद कर दिया गया है। वहीं हाईकोर्ट परिसर में प्रतिमा लगाने की कवायद किसके निर्देश पर हो रही है। इसकी जानकारी हाईकोर्ट बार पदाधिकारी मांग रहे हैं। बिना बिल्डिंग कमेटी की स्वीकृति के यह कार्य किया जाना न्याय के विपरीत लग रहा है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिये पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर को पत्र लिखा है। मौके पर काम कराने वालों का यह कहना था कि प्रतिमा लगाने का काम पीडब्ल्यूडी द्वारा कराया जा रहा है। शनिवार को बड़ी संख्या में वकीलों ने एकत्रित होकर निर्माण कार्य रूकवा दिया तथा उस स्थान पर विशाल तिरंगा झंडा फहराया गया है। इतने महत्वपूर्ण स्थान पर किसके निर्देश पर यह कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में वकीलों को गुमराह किया जा रहा है। हाईकोर्ट बार अध्यक्ष पवन पाठक का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण परिसर में किसके निर्देश पर यह कार्य हो रहा है यह स्पष्ट होना चाहिये। कार्यपालन यंत्री मनीष शर्मा का कहना है कि उनके विभाग द्वारा कार्य नहीं कराया जा रहा है। यह कार्य जनसहयोग से किया जा रहा है।

राजमाता की प्रथम पुण्यतिथि पर लगेगा रक्तदान शिविर

ग्वालियर। पंजाबी सेवा समिति ग्वालियर के द्वारा 15 मई को कै. राजमाता माधवीराजे सिंधिया की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मोहनलाल अरोरा एवं कार्यक्रम संयोजक हिमांशु खत्री ने बताया कि राजमाता साहब की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्री हरिहर मंदिर आदर्श कॉलोनी शिंदे की छावनी पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया प्रातः 9.30 बजे से 1 बजे तक होगा। भाजपा महिला मोर्चा की जिला मंत्री शिल्पा खत्री ने सभी शहरवासियों से इस रक्तदान शिविर में पधारकर अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील की हैं।

महात्मा बुद्ध के विभिन्न मार्ग में से एक मार्ग पर चलकर भी जीवन को धन्य बनाया जा सकता है: समीक्षा गुप्ता

नाट्य मंचन के जरिए भगवान बुद्ध के संदेश को किया साकार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता ने कहा कि भारत की भूमि आध्यात्मिक की भूमि है और यहां महात्मा गौतम बुद्ध जैसे विचारक और जीवन जीने का संदेश देने वाले संत अवतरित हुए हैं ।और हम सब जानते हैं कि इनके बताएं मार्गो में से एक मार्ग पर भी चलकर जीना शुरु कर दिया तो जीवन धन्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कि वित्त मंत्री ने 50 मठों को चिन्हित किया गया है जो पर्यटन में शामिल हैं। मठों के अंदर अपार शांति मिलती है उनके प्रेरणादाई आदर्श हम सबके लिए बड़े कारगर सिद्ध होंगे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि महात्मा बुद्ध ने सिखाया है कि जीवन भर दीन दुखियों की सेवा करें। उन्होंने अपने सब कुछ छोड़कर मोक्ष प्राप्त किया उनके आदर्श को जीवन में जरूर उतारे ।वही रवि अंब ने कहा कि कई देश ऐसे हैं जहां बौद्ध धर्म के अनुयाई सर्वाधिक रहते हैं।

जबकि कार्यक्रम के विशिष्ट तिथि पूर्व बीज निगम अध्यक्ष व भाजपा पर नेता महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि गौतम बुद्ध द्वारा जीवन में दुःख से मुक्ति दिलाने के जो 8 मार्ग बताए गए हैं उनमें मार्गो पर चलकर अपने जीवन से दुःख समाप्त किया जा सकते हैं तथा उन्होंने उंगली मार जैसे डाकुओं को सतमार्ग पर चलना सिखाया। शांति व 38 मंगलो से जीवन को धन्य बनाया सकता है। नंदलाल बाल कल्याण समिति द्वारा महात्मा गौतम बुद्ध जयंती पर सोमवार को नाट्य मंचन एवं कार्यक्रम के समन्वयक ओबीसी फ्रंट ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राजपूत एवं कार्यक्रम के संयोजक नंदलाल बाल कल्याण समिति के संरक्षक मुख्तयार सिंह यादव रहे। अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि आज पूरी दुनिया को भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को अमल में लाकर शांति, सद्भावना एवं मेलमिलाप पर आधारित विश्व का सृजन करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में समिति के अध्यक्ष रूपसिंह राजपूत, सचिव आनंद यादव, सहसचिव संजय सिंह, उपाध्यक्ष बच्चन सिंह, कोषाध्यक्ष सुरेश सिंह, सदस्य सुधा यादव एवं ऊषा पलिया ने अतिथिगण का स्वागत किया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों की चार प्रतिष्ठित महिलाओं डॉ. संगीता कटारे, सेवंती भगत, डॉ. वंदना प्रेमी एवं नीलम यादव को बुद्ध अलंकरण प्रदान कर सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में बीज निगम के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, जेयू के कार्यपरिषद सदस्य एवं बाबू जगजीवन राम फाउंडेशन के मनोनीत सदस्य डॉ. रवि अम्बे की उपस्थिति रहीं। उक्त

बेतवा नदी के संरक्षण और शुद्धिकरण के लिए आईआईटी के विशेषज्ञ बना रहे डीपीआर

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को सिद्ध करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 30 मार्च से 'जल गंगा सवर्धन अभियान' प्रारंभ किया गया है। अभियान का समापन गंगा दशहरा, 30 जून को होगा। जन-जन के जीवन से जुड़ा यह महत्वपूर्ण अभियान में नये तालाब बनाये जा रहे हैं, पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है और नदियों को साफ-स्वच्छ किया जा रहा है। अभियान में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में भी जल संरक्षण के कार्य भी किये जा रहे हैं।

विदिशा जिले की जीवनदायिनी बेतवा नदी की दीर्घकालिक सुरक्षा एवं पुर्नजीवन जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्धेश्यों की प्राप्ति एवं सतत जल प्रबंधन लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। बेतवा नदी के संरक्षण और शुद्धिकरण के लिए जिला प्रशासन वृहद परियोजना तैयार कर रहा है। परियोजना को मूर्तरूप देने के लिए विशेषज्ञों को क्षेत्र का भ्रमण कराया जा रहा है।

बेतवा नदी के संरक्षण और शुद्धिकरण पर आधारित परियोजना को मूर्तरूप दिया जा रहा है। परियोजना में नदी में मिलने वाले सॉलिड और लिक्विड वेस्ट को नियंत्रित करने और नदी के प्राकृतिक प्रवाह एवं पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने पर फोकस किया जा रहा है। इससे नदी के क्षरण को रोका जा सकेगा। इसके लिए इन्दौर आईआईटी के विशेषज्ञों की टीम ने बेतवा नदी के घाटों, एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) और नालों का गहन सर्वेक्षण किया। आईआईटी इन्दौर की टीम ने नदी के विभिन्न घाटों, नालों और एसटीपी की वस्तु-स्थिति का आकलन किया और गंदगी के स्त्रोतों की पहचान की। आगामी चरण में टीम नदी के बहाव क्षेत्र का भ्रमण कर एक विस्तृत वैज्ञानिक डीपीआर तैयार करेगी।

सीहोर में जल संरक्षण जन जागरुकता और बुधनी में तालाब का गहरीकरण एवं साफ-सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान में सीहोर जिले में जन अभियान परिषद ने प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों तथा नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया तथा जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

जिले के बुधनी में जन अभियान परिषद के सदस्यों ने मांजरकुई गांव में जल संरक्षण के उद्देश्य से तालाब के गहरीकरण एवं साफ सफाई का कार्य किया गया। इस कार्य में सभी सदस्यों एवं आमजनों ने श्रमदान किया। इस अवसर पर सभी को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

शहडोल के गांवों में श्रमदान से बोरी बंधान खेत तालाबों का हो रहा निर्माण आओ बचाएं जल, करें सुरक्षित कल और पानी बचाओ कल के लिये, पानी की बर्बादी जीवन की बर्बादी जैसे नारों के साथ शहडोल के गांवो में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जन भागीदारी संस्थाओं, जन प्रतिनिधियों, जन अभियान परिषद के सदस्यों, समाजसेवी और ग्रामीणों के सहयोग से जल संग्रहण संरचनाओं के जीर्णोद्धार, नदी नालों की सफाई, बोरी बंधान तालाबों का गहरीकरण और नये खेत तालाब जैसे कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर के कतिरा गांव में पानी की सहजेने के लिए, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी सहित अन्य लोगों ने बोरी बंधान एवं नदी-नाला सफाई में उत्साहपूर्वक सहभागिता करत् हुए श्रमदान किया। जिले की जनपद पंचायत बुढार के गांव कुम्हारी, कदमहा, गिरवा, मझौली में नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया। के कार्य किए गए। जिले के ही पोनांग तालाब में श्रमदान के माध्यम से सफाई की गई।

क्षिप्रा नदी को स्वच्छ और प्रवहमान रखने की शपथ के साथ जल स्त्रोतों की सफाई के लिए श्रमदान

देवास में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जन-जन के सहयोग से जन अभियान बन रहा है। जिले के नूतन हायर सेकेंडरी स्कूल (संकुल) के अंतर्गत आने वाले सभी हाई स्कूल, मिडिल स्कूल एवं प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों ने ग्राम हवनखेड़ी में क्षिप्रा नदी की साफ-सफाई की। इस अवसर पर स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर महेश सोनी ने सभी शिक्षकों को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों को साफ रखने और रिचार्ज करने प्रति सप्ताह एक घंटा श्रमदान करने की शपथ दिलाई। नदी की साफ-सफाई और गहरीकरण होने से बारिश के दिनों में पानी का संग्रहित होगा तथा वाटर लेवल भी बढ़ेगा, जिससे पेयजल के साथ खेती करने के लिए भी पानी मिल सकेगा। ग्रामीणों ने क्षिप्रा नदी को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया।

पुरानी रंजिश को लेकर मीट विक्रेता की मारपीट

मुरैना। पुरानी रंजिश को लेकर चार नामजद आरोपियों ने मीट शॉप संचालक की रास्ता रोककर मारपीट कर डाली। जानकारी के अनुसार छोटू खान 32 पुत्र लाला खान नि. इस्लामपुरा की मेला ग्राउण्ड के पास मीट की दुकान है। रविवार की शाम को छोटू अपनी दुकान को बंद करने के बाद जब घर जा रहा था। तभी रास्ते में एसपी गार्डन के पास मोहसिन, पप्पू, इरफान और गुलफाम ने उसे रोक लिया और पुरानी रंजिश को लेकर गालियां देते हुए उसकी जमकर मारपीट कर डाली। जिससे छोटू लहूलुहान हो गया। छोटू की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वरिष्ठ पत्रकार डॉ. के. विक्रम राव के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. विक्रम राव के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. राव का पत्रकारिता जगत में उनका योगदान अनुकरणीय रहा है। उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारिता को सशक्त किया साथ ही देशभर के पत्रकारों के अधिकारों के लिए सदैव सक्रिय भूमिका निभाई।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि डॉ. विक्रम राव जी का समर्पण, सादगी और विचारशील व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत था। उनके जाने से देश ने एक निर्भीक और सिद्धांतनिष्ठ पत्रकार को खो दिया है। उन्होंने परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।